देशबन्धु

वर्ष – 36 | अंक – 276 | भोपाल, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ–8 | मूल्य – 2.00 रुपए

आग की चपेट में आ सकती थीं सौ से ज्यादा दुकानें, सतर्कता से टला हादसा — पृष्ठ 2

- संघ के सौ बरस का इकलौता हासिल
- उत्तर भारत में सांप्रदायिक द्वेष भड़काने के लिए गढ़े जा रहे हैं नए बहाने — पृष्ठ 4

- जमीन विवाद में बेटों ने कुल्हाड़ी से हमला कर की मां की हत्या — पृष्ठ 6

महिलाओं को फ्रूट फारेस्ट्री योजना से मिलेगा स्व-रोजगार — पृष्ठ 8

सार-समाचार

हिमाचल की लाहौल घाटी में शून्य से नीचे पहुंचा पारा

लाहौल-स्पीति, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी में मौसम ने एक बार फिर करवट बदल ली है। सीजन की पहली बर्फबारी ने पूरे इलाके को बर्फ की सफेद चादर से ढक दिया है। अचानक आई इस बर्फबारी से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे लोग अपने घरों के भीतर दुबककर बैठने को मजबूर हो गए हैं। तापमान शून्य से नीचे चला गया है और बर्फबारी के साथ ठंडी हवाओं ने लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस एंड्रोथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने सोमवार को अपने बेड़े में आईएनएस एंड्रोथ को औपचारिक रूप से शामिल कर लिया। यह भारतीय नौसेना का दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट है, जिसे एक नेवल डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में कमीशन किया गया है। नौसेना का कहना है कि आईएनएस एंड्रोथ भारत की समुद्री आत्मनिर्भरता का एक शानदार प्रतीक है।

बरेली हिंसा में अब तक 83 गिरफ्तार

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली हिंसा मामले में पुलिस प्रशासन की लगातार कार्रवाई जारी है। इस मामले में अब तक 83 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मौलाना तौकीर रजा के करीबी और बरेली हिंसा में आरोपी डॉक्टर नफीस और नदीम पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। तौकीर रजा के करीबियों पर बरेली कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है। फरीदपुर चौधरी निवासी लियाकत ने इस मामले में शिकायत दर्ज करवाई है। लियाकत का आरोप है कि 25 सितंबर की शाम को नदीम खान और डॉ. नफीस खान ने मिलकर साजिश के तहत आईएमसी का एक फर्जी पत्र तैयार किया। इस पत्र पर लियाकत के नाम से फर्जी हस्ताक्षर किए गए।

42 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना सरकार के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के फैसले को चुनौती देने वाली वंगा गोपाल रेड्डी की याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मामले की सुनवाई की और हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता को सुझाव दिया कि वे उचित राहत के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय का रुख करें।

कटक में सामूहिक झड़प में 8 गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कटक में दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई सामूहिक झड़पों के बाद कई थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भुवनेश्वर-कटक शहर के पुलिस आयुक्त एस. देबदत्त सिंह ने बताया कि इस संबंध में अब तक तीन मामले दर्ज किए गए हैं और सीसीटीवी फुटेज तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म से मिली जानकारी के आधार पर अन्य लोगों की तलाश जारी है। शहर में और तनाव नहीं बढ़ने को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों ने 13 थाना क्षेत्रों में 36 घंटे का कर्फ्यू लगा दिया है।

मुंबई में ड्रोन और स्काई लैंटर्न पर प्रतिबंध

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने आमजन की सुरक्षा और बचाव के मद्देनजर आगामी त्योहार के दौरान शहर में आगामी 12 अक्टूबर से 10 नंबर तक स्काई लैंटर्न की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्काई लैंटर्न कागज से बना एक छोटा गुब्बारा होता है, जिसके नीचे एक खुला भाग होता है जहां दिया या किसी अन्य चीज से आग जलायी जाती है, जिससे गर्म हवा पैदा होती है और इससे वह आसमान में उड़ता है। पुलिस उपायुक्त (संचालन) अकबर पठान ने आदेश जारी कर कहा कि स्काई लैंटर्न के कारण आगजनी होती है और आमजन की सुरक्षा और शांति खतरे में पड़ती है। यह प्रतिबंध दो चरणों में लागू होगा।

जयपुर की अस्पताल में भीषण आग

6 मरीज जिन्दा जले

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना हुई। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने से 6 मरीजों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य मरीज गंभीर रूप से घायल हैं। यह हादसा रविवार रात करीब 12.30 बजे ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल स्थित आईसीयू में हुआ, जब अधिकांश मरीज वेंटिलेटर और अन्य लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे।

अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि- हादसे के वक्त आईसीयू और सेमी-आईसीयू में कुल 18 मरीज भर्ती थे। इनमें से 11 मरीज उसी वार्ड में थे, जहां आग लगी थी। आग लगते ही वहां मौजूद मशीनों से उठे धुएं और जहरीली गैसों ने स्थिति और गंभीर बना दी। कई मरीज पहले से ही गंभीर हालत में थे या कोमा में थे, जिससे उनका रेस्पॉन्स कमजोर था। जब तक मरीजों को नीचे शिफ्ट किया गया, तब तक 6 मरीजों ने दम तोड़ दिया। मृतकों में 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। दमकल विभाग द्वारा करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। 18 मरीजों को तुरंत दूसरे वार्डों और अस्पताल के सुरक्षित हिस्सों में शिफ्ट किया गया। इनमें से 5 की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

जहरीली सिरप मामले में मुख्यमंत्री ने दिए कड़े निर्देश

औषधि नियंत्रक हटाए गए, डिप्टी डायरेक्टर समेत 3 अधिकारी निलंबित

- अभियान चलाकर घर-घर से जप्त करें प्रतिबिंधत दवा
- चिकित्सकों के संगठन और केमिस्ट एसोसिएशन का सहयोग लिया जाए

भोपाल, देशबन्धु। जहरीली सिरप मामले में मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में आज औषधि निरीक्षक छिंदवाड़ा गौरव शर्मा, औषधि निरीक्षक जबलपुर शरद कुमार जैन, उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन शोभित कोस्टा को निलंबित और औषधि नियंत्रक दिनेश मौर्य को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है। डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा प्रकरण के संबंध में आज मुख्यमंत्री निवास पर उच्च स्तरीय बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा प्रकरण में सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी, राज्य सरकार सजग और संवेदनशील है, मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डॉ. यादव ने कहा कि कोल्ड्रिफ सिरप के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही दुकानों में विद्यमान स्टॉक जप्त किया जाए। छिंदवाड़ा और आसपास के जिलों में जिन परिवारों ने यह दवा ली है, उनके घरों से दवा रिकवर करने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं के साथ ही सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए। कोल्ड्रिफ सिरप दवा के अलावा पिछले दिनों क्षेत्र में बिकने वाली अन्य दवाओं की प्रभावशीलता का भी आकलन कराया जाए। दवाओं पर जो चेतावनी और सावधानियों की जांच के लिए अभियान चलाया जाए। नियमों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई की जाए। 4 साल से कम उम्र के बच्चों को कॉम्बिनेशन ड्रग न देने की व्यवस्था है, जो डॉक्टर इस व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर भी कार्रवाई की जाए। डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी सहित चिकित्सकों के विभिन्न

■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री ने परासिया में प्रभावित परिवारों से की मुलाकात, बंधाया ढांढस

यह सिर्फ आपकी नहीं, हम सबकी पीड़ा है

छिंदवाड़ा/ भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमानक कफ सिरप के कारण मृत बच्चों के परिजनों से आज परासिया में उनके घर जाकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने गहन दुख व्यक्त कर उन्हें ढांढस बंधाया और नम आंखों से अपनी आत्मीय संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने शोक संतप्त परिजन के आंसू पोछते हुए कहा कि यह सिर्फ आपकी नहीं, मेरी और हम सबकी पीड़ा है। आपके बच्चों का दुख मेरा भी है। वेदना की इस घड़ी में मैं, और पूरी सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

डॉ. यादव की मौजूदगी ने शोक संतप्त परिजन को एक भावनात्मक संबल दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परासिया क्षेत्र की नगर परिषद न्यूटन पहुंचकर मासूम को खोने वाले खान परिवार और ग्राम बेलगांव के डेहरिया परिवार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री बाद में परासिया मुख्यालय पहुंचे और वहां खान परिवार, ग्राम दीघावानी के यदुवंशी परिवार और उमरेठ के सोनी परिवार से मुलाकात की। डॉ. यादव ग्राम बड़कुही पहुंचकर यहां के ठाकरे परिवार, ग्राम सेठिया के पिपरे परिवार और ग्राम इकलेहरा के उईके परिवार से मुलाकात

■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव और आगजनी के बाद लगाया कटक में कर्फ्यू, तनाव बरकरार

कटक, एजेंसी। ओडिशा के कटक में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मामूली बात को लेकर हुई झड़प, पथराव और आगजनी के बाद कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं अन्य 13 थाना क्षेत्रों में धारा 144 लागू कर दी गई है। साथ ही 24 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

घटना के बाद शहर के संवेदनशील इलाकों दरगाह बाजार, गौरीशंकर पार्क और बिद्याधरपुर में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है और साथ ही केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को भी बुलाया गया है। हालात नियंत्रण में लेकिन तनाव बरकरार है। पुलिस और चश्मदीदों के मुताबिक, शनिवार करीब रात डेढ़ से 2 बजे के बीच एक दुर्गा प्रतिमा विसर्जन चल समारोह काठजोड़ी नदी की तरफ जाने के लिए दरगाह बाजार इलाके से गुजर रहा था। इस दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने रात में तेज म्यूजिक बजाने पर आपत्ति जताई। जिसको लेकर बहस से शुरू हुए विवाद देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। जुलूस में शामिल लोगों ने तोड़फोड़ की वहीं छतों से पत्थर और बोतलें फेंकी गईं, जिसके बाद जुलूस में शामिल लोगों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस हिंसा में कटक के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) खीलारी ऋषिकेश द्न्यानदेव सहित कई लोग घायल हुए हैं। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और पुलिस सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन और मोबाइल फुटेज की मदद से दूसरे आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मामला उस समय और बिगड़ गया, जब विहिप ने रैली निकाली। प्रशासन की रोक के बावजूद रविवार शाम को मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। यह रैली बिद्याधरपुर से शुरू होकर दरगाह बाजार होते हुए सीडीए सेक्टर 11 तक गई। इस दौरान सीसीटीवी कैमरे तोड़े गए और गौरीशंकर पार्क क्षेत्र में कुछ दुकानों को नुकसान पहुंचा या आग के हवाले कर दिया गया। इस बीच विहिप ने सोमवार को 12 घंटे के कटक बंद का ऐलान किया और डीसीपी तथा कलेक्टर के

■ शेष पृष्ठ 8 पर

रायबरेली में दलित की हत्या से आक्रोश

- अब तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया
- 4 साल की है बेटी
- विपक्षी दलों ने सरकार को घेरा

रायबरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक दलित व्यक्ति को चोर समझकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिससे राज्य में आक्रोश और राजनीतिक बवाल मच गया। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित की पहचान हरिओम के रूप में हुई है और स्थानीय लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर लाठी-डंडों और बेल्ट से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

उसके परिवार के अनुसार, हरिओम दांडेपुर जमुनापुर स्थित अपने ससुराल जा रहा था, तभी भीड़ ने उसे घेर लिया और ड्रोन चोर होने के शक में उसकी पिटाई शुरू कर दी। रायबरेली के एएसपी संजीव कुमार सिन्हा ने पुष्टि की है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा, ऊंचाहार थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को चोर समझकर कुछ लोगों द्वारा पीट-पीटकर मार डालने के मामले में तुरंत मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को जेल भेज दिया गया है। बाकी आरोपियों की जल्द ही पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। सिन्हा ने यह भी बताया कि लापरवाही के आरोप में एक सब-इंस्पेक्टर समेत तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। हरिओम की पत्नी पिंकी ने अपने पति की हत्या के लिए न्याय की मांग की है। दंपति की एक चार साल की बेटी है। पिंकी ने बताया, उन्होंने उसे पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार डाला। आरोपियों को उसी तरह सजा मिलनी चाहिए जैसे मेरे पति की हत्या हुई। मुझे सरकार से न्याय चाहिए।

■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुप्रीम कोर्ट में प्रधान न्यायाधीश पर जूता फेंकने का प्रयास

आरोपी वकील ने लगाया नारा- सनातन का अपमान नहीं सहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में बहस करते हुए एक वकील ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर जूता फेंकने का प्रयास किया। यह तो गनीमत रही कि समय रहते सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ लिया। आरोपी वकील ने जूता फेंकने के साथ ही नारा लगाा कि – सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।

आरोपी वकील का नाम राकेश किशोर बताया गया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने आरोपी वकील की सनद रद्द कर दी है।

इस पूरी घटना के दौरान प्रधान न्यायाधीश गवई ने शांति बनाए रखी और कहा कि हम इससे विचलित नहीं होते, आप लोग अपनी दलीलें जारी रखें। जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील को हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। नई दिल्ली जिले के डीसीपी और सुप्रीम कोर्ट के डीसीपी भी मौके पर हैं मौजूद हैं।

माना जा रहा है कि यह घटना खजुराहो में भगवान विष्णु की क्षतिग्रस्त मूर्ति से जुड़े एक पुराने मामले में प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी को लेकर हुई है, टिप्पणी का कई हिंदूवादी संगठनों ने विरोध किया था। हालांकि सुरक्षाकर्मी ऐसी घटना से इंकार करते हुए बस इतना कह रहे हैं कि एक आदमी कोर्ट में शोर मचा रहा था, उसे निकाल दिया गया है। दरअसल, खजुराहो में भगवान विष्णु की सिर कटी मूर्ति को पुर्नस्थापित करने की एक शख्स की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा था, 'जाओ और देवता से ही कुछ करने के लिए कहो, तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो, तो जाओ और अभी प्रार्थना करो। श्री गवई ने कहा था कि यह एक पुरातात्विक स्थल है और एएसआई को अनुमति आदि देने की आवश्यकता है, क्षमा करें। 'उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके विरोध की बाढ़ आ गई थी।

जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने विवाद बढ़ने के बाद कहा था कि उनकी टिप्पणी को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। श्री गवई ने कहा, था कि किसी ने मुझे बताया कि मेरे द्वारा की गई टिप्पणियों को सोशल मीडिया पर एक खास तरीके से पेश किया गया है, मैं सभी धर्मों का सम्मान करता हूं।

दो चरणों में होगा चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा

पूरी चुनावी मशीनरी तत्परता के साथ मतदाताओं के साथ खड़ी रहेगी। कानून व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और चुनाव पूरी तरह से शांतिपूर्ण व पारदर्शी तरीके से कराए जाएंगे : **ज्ञानेश कुमार**, मुख्य चुनाव आयुक्त

- 243 सीटों के लिए 6 और 11 नवम्बर को डाले जाएंगे वोट
- 14 नवम्बर को आएंगे नतीजे
- 10 को जारी होगी अधिसूचना
- 7.42 करोड़ हैं कुल मतदाता

नई दिल्ली, देशबन्धु। बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों- छह और 11 नवंबर को कराया जाएगा तथा मतगणना 14 नवम्बर को होगी। राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छह नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी की जाएगी और नामांकन 17 अक्टूबर तक कराए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 18 अक्टूबर को होगी और नाम 20 अक्टूबर तक वापस लिए जा सकेंगे। दूसरे चरण में 11 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी की जाएगी और नामांकन 20 अक्टूबर तक किया जा सकेगा। नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्टूबर को होगी तथा 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

श्री कुमार ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी कर ली जाएगी। इस चुनाव में राज्य के कुल 7.42 करोड़ मतदाता 90712 मतदान केंद्रों पर मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। आयोग ने चुनाव व्यवस्था संभालने के लिए साढे आठ लाख कर्मियों की व्यवस्था की है। मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ संवाददाता सम्मेलन में चुनाव आयुक्त डॉ विवेक जोशी तथा सुखबीर सिंह संधु के लावा आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि बिहार में इस बार 90,712 पोलिंग बूथ होंगे। शहरी क्षेत्रों में 13,911 और ग्रामीण क्षेत्रों में 76,801 बूथ होंगे। 1,044 पोलिंग बूथों की जिम्मेदारी महिलाओं के पास होगी। उन्होंने बताया कि फर्स्ट टाइम वोटर लगभग 14 लाख हैं। राज्य में 1,725 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। करीब 7.2 लाख दिव्यांग मतदाता, 4.04 लाख 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक भी वोटर सूची में हैं, जबकि 100 साल के अधिक उम्र की मतदाताओं की संख्या 14 हजार है।

8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का भी ऐलान

चुनाव आयोग ने 7 राज्यों में 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख का भी घोषणा की है. इन चुनावों के मतदान 11 नवंबर, 2025 को डाले जाएंगे। जिन सीटों पर उपचुनाव होंगे, उनमें राजस्थान की अंटा, जम्मू-कश्मीर की बडगाम और नागरोटा, पंजाब की तरनतारन, झारखंड की घाटशिला, तेलंगाना की जुबली हिल्स, मिजोरम की डांपा और ओडिशा की नुआपाड़ा सीट शामिल हैं। इन सीटों पर भी चुनाव के नतीजे 14 नवंबर को ही आएंगे।

सोनम वांगचुक की हिरासत पर हुई सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

वांगचुक की पत्नी ने दाखिल की है याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन को नोटिस जारी किया। यह याचिका वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन को सोनम वांगचुक की कथित रूप से गैर-कानूनी हिरासत के खिलाफ दाखिल याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश दिया कि हिरासत से संबंधित दस्तावेज और आदेश की कॉपी याचिकाकर्ता यानी वांगचुक की पत्नी को मुहैया कराई जाए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि सोनम वांगचुक को जेल में उचित चिकित्सा सुविधा दी जाए।

कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 14 अक्टूबर (मंगलवार) तय की है। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने अपनी याचिका में कहा था कि सोनम वांगचुक को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है और उन्हें किसी वैधानिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार नहीं किया गया। उन्होंने अपील की कि सुप्रीम कोर्ट तुरंत हस्तक्षेप करते हुए सोनम वांगचुक को अदालत के समक्ष पेश करने का निर्देश दे, ताकि उनकी सुरक्षा और कानूनी अधिकार सुनिश्चित किए जा सकें।

इससे पहले, गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक भावुक पत्र लिखा था। उन्होंने पत्र में लिखा, मेरे पति को पिछले 4 साल से लोगों के हितों के लिए काम करने की वजह से बदनाम किया जा रहा है। वह कभी भी किसी के लिए खतरा नहीं बन सकते। सोनम वांगचुक को 26 सितंबर को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। इस हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे।

चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल का ऐलान

मैरी ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल व शिमोन सकागुची को पुरस्कार

स्टॉकहोम, एजेंसी। वर्ष 2025 के चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल पुरस्कार की घोषणा कर दी गई है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार विजेताओं को नाम का ऐलान किया है। इस साल तीन वैज्ञानिकों- मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को चिकित्सा क्षेत्र का नोबेल पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार शरीर की रक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) को बेहतर समझने की खोज- पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस के लिए मिला है। इन खोजों ने अनुसंधान की नई राह खोल दी है। इससे कैंसर तथा ऑटोइम्यून रोगों के उपचारों को और प्रभावी बनाने में मदद मिल सकती है।

ब्रुनको सिएटल स्थित इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक हैं। रामस्डेल सैन फ्रांसिस्को स्थित सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स के वैज्ञानिक सलाहकार हैं। साकागुची जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के इम्यूनोलॉजी फ्रंटियर रिसर्च सेंटर में एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर 'फिजियोलॉजी या मेडिसिन' का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है। यह सम्मान 1901 से 2024 के बीच 115 बार 229 नोबेल पुरस्कार विजेताओं को प्रदान किया जा चुका है। यह पुरस्कार 2025 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणाओं में से पहला है। स्टॉकहोम के कैरोलिंस्का संस्थान में एक पैनल द्वारा इसकी घोषणा की गई।

सार-समाचार

भोपाल कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे कलेक्टर

गुना, देशबन्धु। गुना जिले के कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल 06 अक्टूबर शाम से 08 अक्टूबर तक मुख्यालय से बाहर रहेंगे। वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए भोपाल रवाना हो गए हैं। कलेक्टर श्री कन्याल के मुख्यालय से बाहर रहने की अवधि में, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट का चालू प्रभार अपर कलेक्टर एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट, जिला गुना श्री अखिलेश कुमार जैन द्वारा संभाला जाएगा। श्री जैन इस दौरान मुख्यालय पर उपस्थित रहकर सभी शासकीय कार्यों का संपादन करेंगे।

सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक 10 को

गुना, देशबन्धु। अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1995 के विभिन्न प्रावधानों के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। यह समीक्षा बैठक दिनांक 10 अक्टूबर को शाम 5:00 बजे आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल करेंगे और यह कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। इस बैठक में कैलेंडर वर्ष 2025 के द्वितीय और तृतीय त्रैमास (01 जून से 30 सितंबर 2025) तक की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को बैठक में समय पर उपस्थित रहने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

बांसखेड़ी के नाबालिग बच्चों ने बनाई फूहड़ रील, शहर में वायरल

गुना, देशबन्धु। आज की नई पीढ़ी पर सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम का जुनून इस कदर हावी हो रहा है कि फॉलोअर्स और लाइक्स बटोरने की होड़ में बच्चे अपनी सभी नैतिक और सामाजिक सीमाएं लांघते दिख रहे हैं। बच्चों में यह लत उनकी शिक्षा और अच्छे संस्कारों की नींव को कमजोर कर रही है। हाल ही में गुना शहर के बांसखेड़ी में एक ऐसा ही मामला सामने आया, जिसने स्थानीय लोगों को चिंता में डाल दिया है। बांसखेड़ी के कुछ नाबालिग बच्चों ने एक इंस्टाग्राम रील्स वीडियो बनाकर अपनी आईडी पर अपलोड किया था। वीडियो में बच्चों द्वारा किया गया फूहड़ अभिनय और हरकतें ऐसी थीं जो उनकी कम उम्र के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं मानी जा सकतीं। सोशल मीडिया के माध्यम से न चाहते हुए भी रील देखने वाले लोगों का कहना है कि ये बच्चे अभी दूध के दाँत गिरने की उम्र में हैं, लेकिन उनकी हरकतों से स्पष्ट होता है कि नई पीढ़ी किस दिशा में आकर्षित हो रही है। गंभीर बात यह है कि वीडियो नवदुर्गा के दौरान अपलोड किया गया था। कुल मिलाकर सोशल मीडिया के भूत ने इस कदर परिजनों को भी घेर रखा है कि वे समझाने आए लोगों से ही बहस करने पर उतारू हो गए। उनका यह नकारात्मक रवैया दिखाता है कि बच्चों को सही राह दिखाने में उनके अभिभावक भी विफल हो रहे हैं। यह रील इतना ज्यादा फूहड़ है कि हम इसे पूरी तरह आपको दिखा भी नहीं सकते हैं। लेकिन मामले को उजागर करना इसलिए आवश्यक है, ताकि अभिभावक ऐसी घटनाओं से सबक लें और अपने बच्चों के सोशल मीडिया एकाउंट की निगरानी करते रहें।

देर रात गोदाम में लगी भीषण आग, प्रशासन ने दिखाई मुस्तैदी

आग की चपेट में आ सकती थीं सौ से ज्यादा दुकानें, सतर्कता से टला हादसा

गुना, देशबन्धु। शहर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र सदर बाजार में रविवार रात लगभग 10.30 बजे भीषण आगजनी की घटना सामने आई है। हालांकि जिला प्रशासन की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि अगर समय रहते फायर ब्रिगेड मौके पर नहीं पहुंची तो कम से कम 100 दुकानें चपेट में आ सकती थीं और करोड़ों के नुकसान की आशंका बन गई है।

बता दें कि बीती रात लगभग 10.30 बजे सदर बाजार में संचालित जैन स्टोर्स के गोदाम से आग की लपटें उठती हुई देखी गई थीं। जैन स्टोर्स का गोदाम उनकी दुकान के सामने स्थित अशोक वस्त्रालय संस्थान के ऊपर है। इस गोदाम में फिलहाल दीपावली की साज-सज्जा से संबंधित सामग्री और नियमित उपयोग में आने वाला सामान भरा हुआ था। आगजनी की जानकारी सबसे पहले इस इमारत के आसपास रहने वाले लोगों को मिली, उन्होंने तुरंत अपने घरों से पानी की लेजम निकालकर आग पर बौछार करना शुरु कर दिया। इसी बीच नगरपालिका को सूचना दी गई और दशहरा मैदान स्थित फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड रवाना हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक करीब 20 मिनट के भीतर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई और मोर्चा संभाल लिया। तब तक आगजनी विकराल रूप ले चुकी थी, लिहाजा दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा। शहर के प्रमुख व्यवसायिक क्षेत्र में हुई आगजनी की भीषण घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम शिवानी पांडे, नगरपालिका की प्रभारी सीएमओ सुश्री मंजूषा खत्री सहित कई अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। करीब 12 बजे तक आगजनी पर पूरी तरह काबू पाया जा सका।

अगर दिन होता तो...

बीती रात हुई आगजनी की घटना को जिला प्रशासन ने भले ही समय रहते काबू में कर लिया।

चारों तरफ कपड़े की दुकानें, सभी दहशत में रहे

अशोक वस्त्रालय के ऊपर गोदाम में लगी आग की जानकारी मिलते ही इस इलाके में संचालित तमाम दुकानों के मालिक अपने-अपने घरों से संस्थानों की ओर दौड़ पड़े। दरअसल, सदर बाजार में अशोक वस्त्रालय के समीप दोनों तरफ सैकड़ों कपड़े की दुकानें हैं। एक तरफ अनुराधा गली का मार्ग है, तो दूसरी ओर हनुमान गली है। इन दोनों ही गलियों में शहर के नामचीन कपड़ा विक्रेताओं की दुकानें हैं, जिनमें करोड़ों का माल भरा हुआ है। अशोक वस्त्रालय के आसपास के मार्केट की सभी इमारतें एक-दूसरे से सटी हुई हैं। इसलिए जब तक आग पूरी तरह नहीं बुझ गई तब तक इन दुकानों के मालिकों के चेहरों पर सिकन नजर आई। वहीं पड़ोसी दुकानदार छतों पर खड़े हो गए और आगजनी का जायजा लेते रहे।

30 से 40 लाख का नुकसान संभावितः अग्रवाल

इस घटना के बाद उद्योग एवं व्यापार महासंघ के अध्यक्षराजेश अग्रवाल ने जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि अगर प्रशासन समय रहते मोर्चा नहीं संभालता तो होने वाले नुकसान की कल्पना करना भी मुश्किल था। उन्होंने बताया कि आगजनी जैन स्टोर्स के गोदाम में हुई। इसके मालिक विजय जैन हैं, उनसे बात हुई है। फिलहाल नुकसान का सही आंकलन तो सामने नहीं आया है। लेकिन अग्रवाल ने अनुमान लगाया कि करीब 30 से 40 लाख रुपए का नुकसान हो सकता है। सही आंकड़ा विजय जैन द्वारा किए गए आंकलन के बाद ही चल सकेगा।

नगरपालिका अध्यक्ष और सीएमओ के बीच पत्राचार विवाद

अध्यक्ष ने नियम की जानकारी मांगी, सीएमओ ने कहा-आप ही बता दें

गुना, देशबन्धु। गुना नगरपालिका परिषद अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता और प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी मंजूषा खत्री के बीच पत्राचार के जरिए बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह विवाद न केवल शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर है, बल्कि कार्यालयीन कार्यों में अध्यक्ष/पार्षद पति के हस्तक्षेप के मुद्दे पर भी गहरा गया है। दरअसल, शहर की लचर सफाई व्यवस्था को लेकर अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने एक पत्र लिखकर प्रभारी सीएमओ पर सवाल उठाए थे। इसके जवाब में, प्रभारी सीएमओ मंजूषा खत्री ने सफाई संबंधी व्यवस्थाओं का ब्यौरा देते हुए सफाई पेश की। विवाद ने तब नया मोड़ लिया जब प्रभारी सीएमओ ने 3 अक्टूबर को एक पत्र जारी कर, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों (अध्यक्ष/पार्षद) के अलावा उनके पति, पत्नियों या अन्य प्रतिनिधियों के शासकीय कार्यालय (नगरपालिका) में उपस्थित रहने को शासकीय नियमों के विपरीत बताया।

अध्यक्ष ने पूछा- किस नियम से रोक?

सीएमओ के इस पत्र के बाद, अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने 4 अक्टूबर को सीएमओ को जवाब देते हुए पूछा कि उन्होंने यह प्रतिबंध किस नियम के तहत लगाया है। उन्होंने यह भी पूछा कि परिषद के बैठक कक्ष में उनके (अध्यक्ष) साथ उनके पति को आने-जाने से किस नियम के तहत रोका जा रहा है।

सीएमओ ने कहा- नियम बताएं अध्यक्ष

6 अक्टूबर को प्रभारी सीएमओ मंजूषा खत्री ने पलटवार करते हुए पुनः एक पत्र जारी किया। इस बार उन्होंने उल्टा अध्यक्ष से ही पूछ लिया कि वे ही नियम बताएं कि किस नियम के तहत अध्यक्ष पति को कार्यालयीन कार्यों में हस्तक्षेप करने या बैठकों में शामिल होने की अनुमति है। सीएमओ ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया कि कलेक्टर के आदेश पर अध्यक्ष पति द्वारा कार्यालयीन कार्यों में हस्तक्षेप को रोकने के लिए सूचना पत्र अध्यक्ष को भेजा गया है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार की मंशा महिला सशक्तिकरण की है, न कि पतियों द्वारा हस्तक्षेप की। फिलहाल, सफाई व्यवस्था पर शुरू हुआ यह पत्राचार का विवाद अब कार्यालयीन मयार्दा और जनप्रतिनिधियों के अधिकार के बीच की तकरार बन गया है, जिसने गुना नगरपालिका की राजनीति को गरमा दिया है।

बर्खास्त एसआई रामवीर सिंह गिरफ्तार, 3 दिन की रिमांड पर

गुना,देशबन्धु। जिले के बहुचर्चित आत्माराम पारदी मामले के आरोपी और बर्खास्त सब-इंस्पेक्टर रामवीर सिंह को कोतवाली पुलिस ने एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से तीन दिन की पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया है।

रामवीर सिंह को हाल ही में आत्माराम केस में हाईकोर्ट से जमानत मिली थी, लेकिन उन पर कोतवाली थाने में दर्ज धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में लगातार तलाश जारी थी। गुना के एसपी अंकित सोनी ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि, रामवीर सिंह पर थाना कोतवाली में वर्ष 2024 में धारा 420, 465, 467, 471, 197 और 198 (आईपीसी) के तहत एक प्रकरण (3/24) दर्ज था। इस मामले में कुल तीन आरोपी थे, जिनमें रामवीर सिंह कुशवाहा भी शामिल थे। एसपी अंकित सोनी ने बताया, हमें पिछले दो-तीन दिनों से सूचना मिल रही थी कि आरोपी रामवीर सिंह गुना में आ जा रहा है। एक सीक्रेट टीम गठित की। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल मौके पर दबिश देकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ अन्य मामले दर्ज हो सकते हैं। एसपी ने कहा कि, वह अभी विवेचना में देखा जा रहा है और बाकी मामलों की भी तस्दीक करी जा रही है। बता दें कि इससे पहले रामवीर सिंह को आत्मराम पारदी मामले में सीआईडी ने गिरफ्तार करने के भरसक प्रयास किए थे, लेकिन वह असफल रही और लम्बे समय पर बर्खास्त एसआई को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। वहीं दूसरी ओर गुना पुलिस ने रामवीर को शहर में नजर आते ही गिरफ्तार कर लिया है।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह पर आरोन में डाक चौपाल का आयोजन

गुना, देशबन्धु। राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अवसर पर आज आरोन में एक महत्वपूर्ण डाक चौपाल का आयोजन किया गया। इस चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों को डाकघर की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना और उन्हें मौके पर ही लाभ पहुंचाना था। इस आयोजन में आरोन के पार्षद सोनू रघुवंशी, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर योगिता एवं शारदा, गुना से आए अधीक्षक डाकघर ओपी चतुवेर्दी, उप संभागीय निरीक्षक राहुल जैन, आईपीपीबी प्रबंधक चंद्रकांत महले, उप डाकपाल आरोन शिवकुमार रघुवंशी और मेल ओवरसियर अजय साहू सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। चौपाल में डाकघर की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। इस दौरान, मौके पर आए लोगों के आधार अपडेट किए गए, सुकन्या समृद्धि के नए खाते खोले गए और बच्चियों को सुकन्या समृद्धि खातों की पासबुक वितरित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने आमजन से सुकन्या समृद्धि खाते खोलने और डाक विभाग के जीवन बीमा का लाभ लेने की अपील की।

अधिवक्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग

बसपा ने निकाली रैली, बाबा साहब के अपमान का आरोप

गुना, देशबन्धु। ग्वालियर के एक वकील अनिल मिश्रा द्वारा कथित तौर पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ की गई टिप्पणियों के विरोध में बहुजन समाज पार्टी ने सोमवार को गुना शहर में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकताओं ने शहर के प्रमुख मार्गों से विशाल रैली निकाली और कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

बसपा ने ज्ञापन में बताया है कि ग्वालियर में हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकील अनिल मिश्रा लंबे समय से बाबा साहब के खिलाफ जातिवादी मानसिकता रखते हुए अनर्गल बयान दे रहे थे। उन्होंने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर डॉ. अंबेडकर को गंदा व्यक्ति और अंग्रेजों का चमचा कहा, साथ ही यह भी दावा किया कि उन्होंने संविधान नहीं बनाया। इस दौरान बसपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि रमेश डावर ने कहा, यह बाबा साहब डॉ. अंबेडकर का अपमान नहीं है, बल्कि पूरे भारत और देश के लोगों को जलील करने का काम अनिल मिश्रा ने किया है।

बसपा ने आरोप लगाया कि मिश्रा का बयान उनकी जातिवादी मानसिकता को प्रदर्शित करता है। बसपा ने मांग की है कि वकील अनिल मिश्रा के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया है।

धूमधाम से मनाई अजमीढ़ देव की जयंती

भव्य चल समारोह का शहर में हुआ स्वागत

गुना, देशबन्धु। मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के आदि पुरुष और चंद्रवंशी राजा महाराजा अजमीढ़ देव की जयंती गुना में उत्साह और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिले भर के समाज बंधुओं ने एक साथ आकर अपने पितृ पुरुष को नमन किया। जयंती समारोह के दौरान समाज के कल्याण और उत्थान के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम में महिला मंडल और युवक मंडल का भी सक्रिय सहयोग रहा। जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में सोमवार दोपहर मानस भवन से भव्य चल समारोह निकाला गया। जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर नई सड़क से गुजरते हुए, सराफा बाजार तक पहुँचा और वापस मानस भवन में समापन हुआ।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, जांच शुरु

गुना, देशबन्धु। शहर में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान आनंद कुमार केवट (उम्र करीब 34 वर्ष) पुत्र रमेश केवट के रूप में हुई है। आनंद कुमार केवट कुशमोदा में किराए से रहता था और मजदूरी का काम करता था, वह 5 अक्टूबर को लगभग दोपहर 03:00 बजे मजदूरी के लिए घर से निकला था और रात तक वापस नहीं आया। 6 अक्टूबर की सुबह करीब 06:00 बजे, उसके ट्रेन से कटने की खबर मिली। मृतक का शव रेलवे स्टेशन के पास महुगड़ा के पास किसी ट्रेन से टकराने के कारण हुई चोटों के साथ पाया गया, जिसे सरकारी अस्पताल गुना के पोस्टमार्टम रूम में रखा गया था। अस्पताल जाकर बड़े भाई हरिचरण केवट ने अपने भाई आनंद केवट के शव की पहचान की।

लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के पदों के लिए साक्षात्कार आज से

गुना, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम (छअऊउर) मॉडिफाइड स्कीम 2022 के अंतर्गत नि:शुल्क विधिक सहायता और सलाह प्रदान करने के लिए विभिन्न पदों पर संविदा आधार पर नियुक्ति हेतु साक्षात्कार आयोजित किए जा रहे हैं। साक्षात्कार प्रक्रिया 07 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 11 अक्टूबर 2025 तक चलेगी, जो जिला न्यायालय परिसर गुना स्थित ए.डी.आर. सेंटर में आयोजित होंगे। सबसे पहले, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल के 01 पद पर संविदा नियुक्ति के लिए आवेदक अधिवक्तागणों के साक्षात्कार 07 अक्टूबर 2025 को शाम 05:00 बजे से 07:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद, कार्यालय सहायक और डाटा एंट्री ऑपरेटर के 01-01 पदों पर संविदा आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदनकताओं का साक्षात्कार 08 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2025 तक प्रतिदिन शाम 05~00 बजे से 07~00 बजे तक ए.डी.आर. सेंटर में होगा। अंत में, कार्यालय भृत्य के 01 पद पर संविदा आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदनकताओं का साक्षात्कार 11 अक्टूबर 2025 को दोपहर 03:00 बजे से 07:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आवेदकगणों को सूचित किया गया है कि वे साक्षात्कार के लिए पदवार नियत दिनांक एवं समय पर अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित उक्त साक्षात्कार में सम्मिलित हों।

करणी सेना परिवार ने मनाया दशहरा मिलन समारोह

गुना, देशबन्धु। करणी सेना परिवार की क्षत्राणियों ने प्रदेश अध्यक्ष ममता सोलंकी के निर्देश पर इस वर्ष भी 5 अक्टूबर को जिले में दशहरा मिलन एवं नारी शक्ति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया। समारोह का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभावान महिलाओं का सम्मान करना और उन्हें दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विभिन्न विभागों की महिलाएं उपस्थित थीं, जिन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। समारोह में क्षत्राणियों ने अपनी शक्ति और संस्कृति का अद्भुत प्रदर्शन किया। महिलाओं द्वारा तलवार रास, घुमर और दण्ड प्रदर्शन जैसी शानदार प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान, महिलाओं को करणी सेना परिवार संगठन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही, आगामी 21 दिसंबर को होने वाली जन क्रांति हरदा के लिए भी मातृशक्ति को एकजुट होने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में जिले की विभिन्न तहसीलों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने हिस्सा लिया। विशेष रूप से राघोगढ़ तहसील से ज्योति राजपूत और उनकी टीम, चचोड़ा से ज्योति गौर जीजा अपनी टीम के साथ शामिल हुईं। वहीं एनएफएल से अर्चना जादोन अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में मौजूद रहीं। आयोजन की बागडोर संभाग अध्यक्ष प्रतीक्षा सिंह सिसोदिया, जिला अध्यक्ष नीतू सिंह पवार और नगर अध्यक्ष अंचली राजपूत एवं करणी सेना परिवार ने संभाली। जिला अध्यक्ष नीतू सिंह पवार ने कार्यक्रम में शामिल हुईं मातृशक्ति का आभार जताया।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के तहत हुई प्रतियोगिता

छात्र-छात्राओं ने वन विभाग की दीवारों पर उकेरी आकृतियां

गुना, देशबन्धु। 1 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक चलाए जा रहे वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के उपलक्ष्य में गुना वन मंडल द्वारा स्टेशन रोड स्थित डीएफओ कार्यालय के बाहर एक विशेष चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वन मंडल की दीवार पर आयोजित इस प्रतियोगिता में सीएम राइज क्रमांक-2 और एक्सीलेंस स्कूल सहित विभिन्न स्कूलों के लगभग 60 बच्चों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह को प्रोत्साहित करने और लोगों को जागरूक करने का संदेश दिया। वन विभाग के मुताबिक इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को सांत्वना पुरस्कार के साथ-साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। सप्ताह के दौरान चित्रकारी के अलावा, वन मंडल के दफ्तर में क्विज कॉन्टेस्ट भी आयोजित होगी। इस अवधि में, वन विभाग द्वारा जनसमुदाय के बीच जाकर वन संरक्षण, पेड़ न काटने और पेड़ लगाने के लिए लोगों को प्रेरित और जागरूक भी किया जा रहा है।

आदि सहयोगियों से संवाद में शामिल हुए राज्यपाल, बोले

जनजाति समुदाय का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

अशोकनगर, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जनजाति समुदाय का कल्याण केंद्र व राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार द्वारा जनजातीय समुदाय के उत्थान को ध्यान में रखकर अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। श्री पटेल आज अशोकनगर के चंदेरी विकासखंड के ग्राम खानपुर में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष एवं आदि कर्मयोगी अभियान के तहत आदि साथी एवं आदि सहयोगियों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने ग्रामवासियों से आव्हान किया कि इस दीपावली पर वोकल फॉर लोकल का संदेश अपनाएं। स्थानीय उत्पादों को खरीदेने का संकल्प लें। स्वदेशी अभियान को सफल बनाने में हर वर्ग सहभागी बने। श्री पटेल ने अशोकनगर जिले की विश्व प्रसिद्ध चंदेरी साड़ी की चर्चा करते हुए स्थानीय बुनकरों के उत्पाद खरीदने की अपील की। उन्होंने आजीविका मिशन से जुड़ी बहनों के आर्थिक स्वावलंबन की चर्चा की। श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय समुदाय अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दे। वहीं उन्होंने कार्यक्रम में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया। उन्होंने सिकल सेल कार्ड, आयुष्मान कार्ड का वितरण किया। टी.बी. रोगियों को पोषण टोकरी वितरित की। हथकरघा उद्योग के लिए तकनीकी विकास योजना अंतर्गत वित्तीय सहायता का चेक प्रदान किया। श्री पटेल द्वारा प्राथमिक विद्यालय खानपुर का निरीक्षण किया।

उन्होंने स्कूली बच्चों से संवाद कर मध्यान्ह भोजन सहित अन्य जानकारी ली और बच्चों को उपहार स्वरूप पेन, कापी भेंट की। श्री पटेल ने आरोग्य केन्द्र खानपुर का भी निरीक्षण किया। स्वास्थ्य जांच में शामिल लोगों से चर्चा की। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग एवं उपचार के बारे में जानकारी ली। श्री पटेल ने आंगनबाड़ी केंद्र खानपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने गर्भवती माताओं एवं कुपोषित बच्चों को पोषण आहार का वितरण किया। हितग्राहियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने आदि सेवा केंद्र खानपुर का भी निरीक्षण कर केंद्र के संचालन संबंधी जानकारी ली। उन्होंने ग्राम खानपुर में पीएम जनमन आवास से लाभान्वित हितग्राही श्रीमती धनिया बाई को गृह प्रवेश कराया। धनिया बाई के परिजन से आत्मीय चर्चा कर बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

भतीजी निकली 2 करोड़ की चोरी की मास्टरमाइंड

प्रेमी के संग मिलकर रची थी साजिश

भोपाल, देशबन्धु। कोहेफिजा पुलिस ने ओम नगर हलालपुरा में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर आनंद पाराशर के घर से दो करोड़ रुपए के जेवर चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है। इस वारदात की मास्टरमाइंड आनंद की भतीजी डॉली पाराशर निकली, जिसने अपने प्रेमी अंकित तिवारी के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई थी और फिर अंकित ने दोस्त रवि विश्वकर्मा को योजना में शामिल किया। इसके बाद रवि ने साथी देवाशीष शर्मा और अजय शाक्य के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। वारदात के बाद सभी ने जेवरात आपस में बांट लिए थे।

डीसीपी अभिनव चौकसे ने सोमवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि डॉली, रवि और देवाशीष को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से कुल डेढ़ करोड़ रुपए कीमत के सोने के जेवर सहित चार मोबाइल फोन और 3 चांदी के सिक्के बरामद किए गए हैं। वहीं दो आरोपी अजय शाक्य और अंकित तिवारी अभी फरार हैं। फरार आरोपियों के पास करीब 50 लाख रुपए के जेवरात हैं।

डीसीपी ने बताया कि वारदात के बाद आरोपियों की तलाश के दौरान घटनास्थल और आसपास का अवलोकन किया गया था। इसी के साथ सीसीटीवी कैमरे की तस्वीरें देखने पर कुछ संदेही नंबरों को चिह्नित किया गया। सबसे पहले देवाशीष शर्मा को आनंद के घर से के बाहर रैकी करते चिह्नित किया। उसकी जांच में पता लगा कि वह छोला मंदिर थाने से अड़ीबाजी के मामले में जेल भेजा गया है। जेल से उसे प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। तब उसने बताया कि अंकित तिवारी और रवि विश्वकर्मा ठेकेदार उसके दोस्त है। अंकित ने रवि को बताया था कि लालघाटी में रहने वाली उसकी प्रेमिका डॉली के चाचा आनंद पाराशर के पास बहुत पैसा है। घर में भारी मात्रा में सोने के जेवर हैं। आनंद पाराशर की बेटी की सगाई ग्वालियर में होने वाली है। इस दौरान डॉली घर की पूरी जानकारी देने को तैयार है, अगर यहां किसी तरह चोरी की जाए तो रातों-रात करोड़पती बन जाएंगे। रवि ने घर का पूरा नक्शा समझा और चोरी की योजना बनाई। इसके बाद 28-29 सितंबर की दरमियानी रात वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान घर के बाहर की निगरानी रवि और अंकित ने की। देवाशीष और अजय ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। वहीं डॉली फोन पर कहां, क्या रखा है? इस बात की जानकारी उन तक पहुंचा रही थी। वारदात के बाद सभी आरोपियों ने चोरी किए माल के हिस्से कर लिए थे। इसके बाद वे आपस में नहीं मिले।

शादी करना चाहते थे डॉली और अंकित

डीसीपी ने बताया कि आरोपी अंकित पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, डॉली उससे शादी करना चाहती थी। लेकिन अंकित कोई काम नहीं करता था। लिहाजा डॉली ने चाचा के घर चोरी के बाद मिलने वाली रकम से अंकित के साथ भविष्य बनाने की योजना बनाई थी। अगर मामले का खुलासा नहीं होता तो सही समय पर डॉली उसके साथ भाग जाती। दोनों ने शहर छोड़कर दूसरे शहर में बसने का फैसला लिया था।

शरद पूर्णिमा पर श्रीराधा-कृष्ण ने किया नौका विहार

भोपाल, देशबन्धु। शरद पूर्णिमा के मौके पर सोमवार को राजधानी के मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। वहीं, श्री हिंदू उत्सव समिति के देखरेख में भगवान श्रीराधा-कृष्ण की शोभायात्रा भी निकाली गई। शोभायात्रा राधा-कृष्ण मंदिर घोड़ा निक्कास से शुरू हुई, जो छोटे भैया कॉर्नर, जनकपुरी, सिंधी मार्केट, भवानी चौक, सोमवारा होते हुए शीतल दास की बगिया पहुंची। यहां भगवान श्रीराधा-कृष्ण ने आकर्षक पुष्प सज्जित और विद्युत रोशनी से सुसज्जित नौका पर सवार होकर चांदनी रात में नौका विहार किया। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, विकास खरे, गणेश राठौर, विवेक साहू, दिलीप गुप्ता, हेमंत शर्मा, बच्चन आचार्य सहित श्रद्धालु भक्तजन बड़ी संख्या उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में किया प्रदर्शन

मध्यप्रदेश सहित देशभर में बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली के प्री-पेड स्मार्ट मीटर का विरोध किया जा रहा है। ये विरोध कोई औपचारिकता या कोई निहित स्वार्थ पर आधारित राजनीतिक विरोध नहीं है,

भोपाल, देशबन्धु। स्मार्ट मीटर के विरोध में सोमवार को भोपाल शाहजहानी पार्क में बड़ा प्रदर्शन हुआ। यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन (एमईसीए) के बैनर तले किया गया, जिसमे पूरे प्रदेश से उपभोक्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इन्होने 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने, बिजली के डैम कम करने जैसी 11 मांग भी सरकार से की।

एसोसिएशन की प्रदेश संयोजक रचना अग्रवाल और लोकेश शर्मा ने बताया, बल्कि हमारी दैनिक आय और जीवन मरण के प्रश्न से जुड़ा है। हाल ही में इसके दुष्परिणाम भी सामने आए हैं। संगठन के मुदित भटनागर ने बताया कि भोपाल के कई इलाकों में स्मार्ट मीटर लगे हैं। जिसके जरिए गरीब वर्ग को सताया जा रहा है। इसका हम लगातार विरोध कर रहे हैं। आज बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया जा रहा है। वहीं प्रदर्शन मेंआए उपभोक्ताओं ने मंच से कहा कि हमारा बिल ज्यादा आ रहा है। हम इतने पैसे कहां से भरेंगे।

सातवीं मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत

भोपाल, देशबन्धु। मिसरोद स्थित जाटखेड़ी में रहने वाले चाचा के घर रह रही एक छात्रा सातवीं मंजिल से संदिग्ध हालात में गिर गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक जाटखेड़ी में रहने वाली 15 वर्षीय आराध्या सक्सेना निजी स्कूल में कक्षा 11वीं की छात्रा थी। वह मिसरोद स्थित जाटखेड़ी में रहने वाले अपने चाचा के साथ रहती थी। रविवार रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद वह घर की सातवीं मंजिल पर टहलने का बोलकर गई थी। इसी दौरान वह वहां से संदिग्ध परिस्थितियों में नीचे गिर गई। जब परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तो चिकित्सकों ने जाँच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए एम्स भेज दिया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के मुताबिक छात्रा छत से कैसे गिरी, इसका खुलासा नहीं हो सका है। परिजनों के बयान दर्ज होने के बाद मौत की वजह का पता चल सकेगा। फ़िलहाल पुलिस ईमारत में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

उपभोक्ता आयोग का बड़ा फैसला

बीमा कंपनी का तकनीकी आधार पर दावा निरस्त करना अनुचित

भोपाल, देशबन्धु। अक्सर लोग स्वास्थ्य बीमा इसलिए कराते हैं, ताकि जब कभी भी बीमारी उन्हें घेरे तो इलाज के लिए उन्हें आर्थिक तौर पर परेशान ना होना पड़े। बीमा इलाज बड़ा मददगार साबित होता है, लेकिन कई बार बीमा कंपनी अलग-अलग बहाना बनाकर बीमा राशि देने से इनकार कर देती है। ऐसे ही एक मामले में जिला उपभोक्ता आयोग क्रमांक-1 ने निर्णय सुनाया है।

दरअसल कोलार रोड स्थित सागर प्रीमियम टावर्स निवासी पद्मकांता जैन ने जिला उपभोक्ता आयोग में युनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के खिलाफ 2023 में याचिका लगाई थी। इसमें शिकायत की थी कि जैन अंतरराष्ट्रीय संस्था के द्वारा वर्ष 2020 में सभी जैन परिवार के सदस्यों के लिए युनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी से समूह स्वास्थ बीमा पालिसी प्राप्त की थी। उन्होंने भी 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा लिया था। इसके लिए करीब 33 हजार 800 रुपये दिए थे। जब उनकी पत्नी की तबियत खराब हुई तो उन्हें 15 दिन तक अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। इलाज में करीब साढ़े 5 लाख 56 हजार रुपये खर्च हुए थे। इसके दावे के लिए उन्होंने कोरियर के माध्यम से बीमा कंपनी को दस्तावेज पहुंचाए थे, लेकिन रविवार को अवकाश होने के कारण उन्हें प्राप्त नहीं हो सके । इस कारण बीमा कंपनी ने समय पर दस्तावेज प्राप्त नहीं होने के तकनीकी आधार पर उनके दावे को निरस्त कर दिया। इस मामले में बीमा कंपनी ने तर्क रखा कि उपभोक्ता द्वारा इलाज में खर्च राशि के लिए दावे के दस्तावेज के साथ 30 दिन के अंदर सूचना देनी थी,लेकिन समय से दस्तावेज ही प्राप्त नहीं हुए। वहीं उपभोक्ता की अधिवक्ता मोना पालीवाल ने तर्क रखा कि समयावधि में ही दस्तावेज कोरियर से भेजे गए थे, लेकिन रविवार होने के कारण समय से प्राप्त नहीं हुए। इस आयोग के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल व सदस्य डा. प्रतिभा पांडेय की बेंच ने कहा कि बीमा कंपनी तकनीकी बहाना बनाकर दावा राशि देने से इनकार नहीं कर सकती है और बीमा कंपनी को इलाज में खर्च करीब साढ़े 5 लाख 56 हजार रुपये के साथ आठ हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि देने के आदेश दिए।

फर्जी लैटर हैड से खुद को संगठन का अध्यक्ष घोषित किया, प्रकरण दर्ज

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में एक ही संगठन में काम करने के दौरान एक व्यक्ति ने फर्जी लैटर हैड तैयार कर खुद को संगठन का अध्यक्ष घोषित कर कर दिया। कागजात पंजीयन कार्यालय तक पहुंचा तो मामले का खुलासा हो गया। वर्तमान अध्यक्ष ने इस मामले में अदालत में परिवाद लगाया था। अब अदालत के आदेश अवधपुरी पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

अवधपुरी थाना प्रभारी रजत सिंह परिहार ने बताया कि इलाके की सुरभि मोहिनी कॉलोनी में जय सिंह व अजीत सिंह टेकाम रहते हैं। दोनों एक आदिवासी सामाजिक संगठन में शामिल थे। जय सिंह इस संगठन के अध्यक्ष हैं। उनके अध्यक्ष पर को लेकर अजीत सिंह टेकाम को आपत्ति थी। वह जय सिंह को अध्यक्ष मानता ही नहीं था। संगठन के बीच जब विवाद बढ़े तो अजीत सिंह टेकाम ने खुद को अध्यक्ष घोषित करते हुए लैटर हैड तैयार कर लिया। इस लैटर हैड पर अजीत सिंह ने अपनी समिति भी बना दी। यह लैटर जब रजिस्ट्रार एवं फर्म सोसाइटी विंध्याचल भवन में पंजीकरण के लिए लगाया गया तो पूरे मामले का खुलासा हो गया। संगठन के असल अध्यक्ष जय सिंह ने अदालत में परिवाद लगाकर शिकायत की। अब अदालत के आदेश पर पुलिस ने अजीत सिंह टेकाम के खिलाफ कूट रचित दस्तावेज तैयार करने का मामला दर्ज कर लिया है।

दो ट्रेनों को मिला अस्थायी ठहराव

भोपाल, देशबन्धु। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने सतगुरु बाबा नारायण शाहजी की बरसी एवं माधवनगर मेले के अवसर पर विशेष व्यवस्था की है। इसी क्रम में जबलपुर मंडल के निवार - कटनी रेलखंड स्थित माधवनगर स्टेशन पर इटारसी-भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस, इटारसी-प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन के अनुसार यह ठहराव आठ अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक चार दिनों के लिए प्रदान किया जाएगा। इन ट्रेनों को माधवनगर स्टेशन पर एक मिनट का ठहराव दिया जाएगा।

बदलते जलवायु में शहरी बाढ़ नियंत्रण के लिए

संवेदक आधारित वर्षा, जलस्तर और प्रवाह निगरानी प्रणाली अपनाना जरुरी - डॉ. गुप्ता

भोपाल, देशबन्धु। 10वां महेश बुच स्मृति व्याख्यान में आईआईटी मुंबई के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में जल संसाधन अभियांत्रिकी के प्रोफेसर डॉ. कपिल गुप्ता ने बदलते जलवायु परिदृश्य में शहरी बाढ़ नियंत्रण की रणनीतियाँ विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. गुप्ता ने अपने व्याख्यान में शहरी क्षेत्रों में बाढ़ के प्रमुख कारणों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि अनियोजित शहरी विकास के कारण मिट्टी की जल पारगम्यता घटती है, जिससे जल निकासी का ढाल और बहाव बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि अब अक्सर मासिक वर्षा एक ही दिन में होने लगी है, जिससे शहरी क्षेत्रों में जलभराव की घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने चलू वर्ष के बारिश के आंकड़ों का हवाला देते हुए स्थिति की गंभीरता स्पष्ट की। उन्होंने भोपाल में जून में 132.8 मिमी, जुलाई में 367.7 मिमी तथा अगस्त में 326 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि गुना में मात्र 24 घंटे (29 जुलाई 2025) में 328 मिमी वर्षा हुई। इसी तरह उन्होंने उधमपुर में (27 अगस्त 2025) में 12 घंटे में 540 मिमी, मुंबईङ्क्तिवेंद्रम में (26 मई 2025) में 104 मिमी प्रति घंटा, जम्मू शहर (27 अगस्त 2025) में 12 घंटे में 310 मिमी और गुवाहाटी, नागपुर, देहरादून, हैदराबाद आदि शहरों में एक ही दिन में 200 मिमी से अधिक वर्षा के उदाहरण प्रस्तुत किए।

डॉ. गुप्ता ने अंतर सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) के निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा कि भारी वर्षा की घटनाएँ अब अधिक बार और अधिक तीव्रता से घटित हो रही हैं। तापमान में वृद्धि के कारण प्लुवियल बाढ़ की आवृत्ति और गंभीरता दोनों बढ़ रही हैं, क्योंकि वर्षा की तीव्रता प्राकृतिक और कृत्रिम जल निकासी प्रणालियों की क्षमता से अधिक हो रही है। उन्होंने शहरी बाढ़ नियंत्रण की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान सीवर प्रणाली पुरानी और अपर्याप्त है, जिसके उन्नयन में स्थान की कमी और अधिक लागत जैसी बाधाएँ हैं। उन्होंने संवेदक आधारित वर्षा, जलस्तर और प्रवाह निगरानी प्रणाली अपनाने का सुझाव दिया, जिससे निर्धारित सीमा पार होने पर पूर्व चेतावनी और अलार्म प्रणाली सक्रिय हो सके। इसके साथ ही उन्होंने सतत जल निकासी प्रणाली जैसी संरचनात्मक उपायों की अनुशंसा की और मुंबई में लागू निगरानी प्रणाली को सफल उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया।

डॉ. गुप्ता ने शहरी बाढ़ नियंत्रण में जलाशयों और आर्द्रभूमियों के महत्व पर बल देते हुए जापान के कृत्रिम जल रोक जलाशय, हांगकांग, मिलान मेट्रो तथा मुंबई (दादर) में लागू भूमिगत जल भंडारण प्रणाली के उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि वे गृह मंत्री की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति के अंतर्गत गठित तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य हैं। इस समिति ने हाल ही में शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम के द्वितीय चरण को मंजूरी दी है, जिसके तहत 11 शहरों भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, जयपुर, कानपुर, पटना, रायपुर, तिरुवनंतपुरम, विशाखापत्तनम, इंदौर और लखनऊ को शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम के लिए कुल ?2444.42 करोड़ की राशि राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से स्वीकृत की गई है। इसमें 90 फीसदी राशि केंद्र और 10 फीसदी राज्य सरकारों द्वारा वहन की जाएगी।

डॉ. गुप्ता ने तीव्र बाढ़ जोखिम मूल्यांकन और आपदा जोखिम प्रबंधन मास्टर प्लान तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने वर्षा जल के अवशोषण को बढ़ाने के उपायों जैसे झिर्रीदार पथरीकरण, छतों से वर्षा जल संचयन और जल रिसाव खाइयाँ अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सभी खेल मैदानों को अस्थायी भूमिगत जल भंडारण क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे भारी वर्षा के दौरान आसपास के क्षेत्रों में जलभराव को रोका जा सके। एक प्रश्न के उत्तर प्र। गुप्ता ने अरेरा कॉलोनी में 8-10 इंच ऊँची सीमेंट की सड़क बनने पर हैरानी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसके लिए दिशानिर्देश हैं और कोई भी सड़क नींव के स्तर से ऊपर नहीं बनाना चाहिए। इससे जल भराव का जोखिम हमेशा बना रहेगा।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में एसएन. मिश्रा ने वर्षा जल संचयन की पारंपरिक बुद्धिमत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को ध्यान में रखे बिना शहरी बाढ़ नियंत्रण संभव नहीं है। उन्होंने अत्यधिक वर्षा को संभालने के लिए डिजाइन मानकों में संशोधन की आवश्यकता बताई तथा जल निकासी तंत्र पर अतिक्रमण हटाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कचरा जल निकासी तंत्र के जाम होने और बाढ़ का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि शहरों को अब कम समय में अधिक वर्षा से उत्पन्न परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। प्रारम्भ में नेशनल सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमेंट्स एंड एनवायरनमेंट के अध्यक्ष पीके दास ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

महालक्ष्मी के के लिए श्रृंगार स्वर्ण मुकुट दान किया

भोपाल, देशबन्धु। शरद पूर्णिमा के अवसर पर करुणाधाम आश्रम में, 5 क्विंटल खीर का वितरण एम्स अस्पताल और करुणाधाम आश्रम में किया गया। वहीं महाआरती का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। इसी अवसर पर माता महालक्ष्मी के श्रृंगार के लिए दुबई के एक भक्त ने स्वर्ण मुकुट दान किया।

डॉ. चौरसिया अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए स्वीडन रवाना

भोपाल, देशबन्धु। जेके हॉस्पीटल के प्रसिद्ध वरिष्ठ न्यूरोसर्जन प्रोफेसर डॉ. आईडी चौरसिया अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए स्वीडन के गोथमबर्ग रवाना हो गए हैं। वे इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में रीड की हड्डी (स्पाइनल कॉर्ड) की बीमारियों एवं उनके आधुनिक उपचार पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे तथा विशेषज्ञ व्याख्यान भी देंगे।

बैंक अधिकारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा एआईबीओसी- कॉमरेड सिन्हा

स्थापना दिवस सम्पन्न

भोपाल, देशबन्धु। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) का 41वां स्थापना दिवस आज इंडियन बैंक परिसर पिपलानी शाखा में उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एआईबीओसी के प्रमुख घटक दल बैंकों के अधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

कार्यक्रम में एआईबीओसी के प्रदेश अध्यक्ष कॉमरेड सुबिन सिन्हा ने शपथ दिलाते हुए कहा हमारे संगठन की शक्ति हमारी एकजुटता है। एआईबीओसी सदैव अधिकारियों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहेगा। प्रदेश सचिव कॉमरेड दिनेश झा ने कहा आज के दौर में चुनौतियाँ अनेक हैं, परंतु एआईबीओसी ने हमेशा साहस और तर्क से लड़ाई लड़ी है। हम बैंकिंग क्षेत्र के हर साथी के लिए मज़बूत ढाल बने रहेंगे। वहीं कॉमरेड संदीप चौबे ने कहा कि हमारी एकता ही हमारी पूँजी है। यदि हम सब मिलकर खड़े रहें तो कोई भी ताक़त बैंक अधिकारियों की आवाज़ को दबा नहीं सकती। कॉमरेड केके त्रिपाठी ने कहा कि 41 वर्ष का यह गौरवशाली सफर हमें बताता है कि संघर्ष की मशाल कभी बुझनी नहीं चाहिए। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए और मज़बूत संगठन छोड़कर जाना है। कॉमरेड रजनीश पौराणिक ने कहा एआईबीओसी सिर्फ़ एक संगठन नहीं, बल्कि बैंक अधिकारियों के आत्मसम्मान की पहचान है। हमें अपनी ताक़त को और बढ़ाना है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन कॉमरेड दिव्या चौहान (यूको बैंक) ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कॉमरेड आशीष तिवारी, कॉमरेड मनीष चतुर्वेदी, कॉमरेड क्षितिज तिवारी, कॉमरेड अरविंद पंडियार, कॉमरेड दीपक शुक्ला, कॉमरेड निर्भय सिंह, कॉमरेड दीपक नायर, कॉमरेड शेखर वर्मा, कॉमरेड प्रशांत रघुवंशी, कॉमरेड दीपमाला शीतल, कॉमरेड कीर्ति तिवारी, कॉमरेड रोहित यादव, कॉमरेड सुमित मिश्रा, कॉमरेड कुलदीप स्वर्णकार, कॉमरेड अम्बरीष नंदा, कॉमरेड विजय राघवन,कॉमरेड आशुतोष तिवारी कॉमरेड कपिला, कॉमरेड मनीष भार्गव सहित अनेक बैंकों अधिकारी उपस्थित रहे।

रेलवे पटरी के पास मिला घायल व्यक्ति, सौ मीटर दूर मिला कटा हुआ पैर

खिरकिया, देशबन्धु। रेलवे पटरी के पास एक अधेड़ गंभीर रूप से घायल मिला। सूचना मिलने पर जीआरपी और छीपाबड़ पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया।प्राथमिक उपचार के बाद उसे हरदा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

जीआरपी पुलिस चौकी खिरकिया से अतरसिंह ने बताया कि यह घटना रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर खंबा नंबर 22/24 और 636 किलोमीटर के बीच होम सिग्नल खंडवा की ओर हुई। एक पॉइंट्स मैन ने जीआरपी को पटरी के पास एक घायल व्यक्ति के पड़े होने की सूचना दी थी। घायल की पहचान मनोहर पिता सुखदेव प्रजापति (45) निवासी जमुनिया छुरीखाल के रूप में हुई है। आशंका है कि वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसका एक पैर शरीर से अलग हो गया था। यह पैर घायल अधेड़ से लगभग 100 मीटर की दूरी पर पड़ा मिला। जीआरपी पुलिस ने छीपाबड़ पुलिस को घटना की जानकारी दी। छीपाबड़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल मनोहर को खिरकिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हरदा जिला अस्पताल रेफर किया गया। उसके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि व्यक्ति पटरी के पास कैसे पहुंचा।

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (एसएंडटी) पश्चिम मध्य रेल, भोपाल भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके लिये कार्य करते हुये निम्न कार्य हेतु **ई निविदा** आमंत्रित करते हैं। इस टेन्डर के तहत मैनुअल प्रस्ताव मान्य नहीं होंगे एवं ऐसे प्राप्त कोई भी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जायेगा। निविदा से संबंधित दस्तावेज वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दिये गये हैं। **निविदा सूचना सं एवं दिनांकः** बीपीएल/एन/वर्क्स/2025-26/टेली/04 दिनांक 04.10.2025, **कार्य का नाम व स्थानः** पीआरएस मॉर्डनाजिशन पी एच-II ऑगमेंटेशन ऑफ बी डब्लू एंड अदर यूजेज ऑफ जीयूआई बेस्ड पीआरएस माड्यूल ओवर बीपीएल डिवीजन, **कार्य की अनुमानित लागत ₹: ₹** 2,61,02,387.14, **टेण्डर फॉर्म की कीमत (Rs.) (non refundable):** NIL, **बयाना राशि ₹: ₹** 2,80,500.00, **कार्य समाप्ति अवधिः** 06 माह, **निविदा खुलने एवं जमा करने की तारीख एवं समयः** खुलने की तारीख **27.10.2025**, जमा 15:00 बजे तक। खुलने का समय 15:30 बजे। **नोटः** निविदाकर्ता/बिडर्स के पास क्लास-III डिजिटल सिगनेचर सर्टिफिकेट होना आवश्यक है एवं **IREPS** पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकर्ता/बिडर्स ही ई-टेंडरिंग में भाग ले सकते हैं। ई-टेंडरिंग के दौरान ही सभी संबंधित दस्तावेज अपलोड करना आवश्यक है। पेमेन्ट गेटवे के द्वारा ऑन लाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। निविदा दस्तावेज की कीमत, बयाना राशि आदि का भुगतान ऑन लाइन मल्टीपल नेटबैंकिंग, डेबिट एवं क्रेडिट कार्ड द्वारा किया जा सकता है।

मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल-462024

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

आम सूचना

एतद द्वारा हमारे पक्षकार बैंक ऑफ बडोदा शाखा बिलाला मिल केम्पस अशोकनगर तहसील व जिला आशोकनगर म.प्र. की ओर से सर्व साधारण, बैंक, शासकीय एवं अशासकीय संस्थान आदि को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के ग्राहक **चंद्रभान पुत्र अमोल सिंह रघुवंशी** निवासी ग्राम रुसल्ला तहसील आरोन जिला गुना के स्वामित्व, स्वत्व, हित, आधिपत्य का एक भूखंड क्रमांक 146 सर्वे नं. 681/1/22 रकवा 0.009 हे. अथवा 1000 वर्ग फुट अथवा 92.93 वर्ग मीटर अवस्थित वार्ड नं. 01 अजीत सिंह कॉलोनी पटवारी हल्का नं. 27 नगर पालिका क्षेत्र अशोकनगर जिसकी अधिकार सीमा निम्नानुसार है पूर्व में - भूखंड क्रमांक 147 में निर्मित अनिल कुमार आफले का मकान, पश्चिम में - अभय पेट्रोल पम्प की दीवार, उत्तर में भूखंड क्रमांक 152 श्रीमति मिथलेश बाई सेमारी सहबाद वालों का, दक्षिण में -20 फुट चौड़ा प्रस्तावित आम रास्ता, इस भूखंड को चंद्रभान पुत्र अमोल सिंह रघुवंशी द्वारा जर्ये इलेक्ट्रॉनिक रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक MP471192019A1447227 के द्वारा दिनांक 26.06.2019 को मिथलेश भार्गव पत्नि गणेश भार्गव निवासी ग्राम बगुल्या तहसील शाडोरा से क्रय किया था तथा मिथलेश भार्गव पत्नि गणेश भार्गव द्वारा उपरोक्त वर्णित भूखंड को दिनांक 22.05.2015 को जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 642 ग्रंथ नं. 5233 के द्वारा रामस्वरूपी पत्नि रामबाबू रघुवंशी निवासी सोनेरा से क्रय किया था। तथा रामस्वरूपी पत्नि रामबाबू रघुवंशी द्वारा यह भूखंड दिनांक 23.08.2010 को जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 2259 ग्रंथ नं. 4074 के द्वारा उत्तम सिंह पुत्र अजीत सिंह रघुवंशी निवासी इंद्रपुरी भोपाल वहैसियत मुखत्यार आम राहुल सिंह पुत्र उत्तम सिंह रघुवंशी निवासी इंद्रपुरी भोपाल से क्रय किया था यह असल विक्रय पत्र क्रमांक 2259 ग्रंथ नं. 4074 दिनांक 23.08.2010 रामस्वरूपी बाई से कही गुम हो गया है जिसकी रामस्वरूपी द्वारा देहात थाना अशोकनगर में दिनांक 24.09.2025 को गुम होने कि रिपोर्ट भी दर्ज कि जा चुकी है यह गुम हुआ विक्रय पत्र यदि किसी के पास हो अथवा इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो समस्त दस्तावेजों सहित मेरे कार्यालय मे अथवा मेरे पक्षकार की शाखा में उपस्थित होकर सूचना प्रकाशन के सात दिवस के अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि उपरांत कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

दिनांक -07.10.2025

अभिभाषक-मुकेश कुमार जैन
मो.नं. 9981878927

भोपाल, मंगलवार 7 अक्टूबर 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मुख्य न्यायाधीश पर हमला, संयोग या प्रयोग

सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के भीतर एक ऐसी घटना हुई, जिसकी कल्पना भी कभी नहीं की गई होगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर एक वकील ने जूता उछालने की कोशिश की। यह घटना उस वक्त हुई जब जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों के मामलों की सुनवाई के लिए मेंशन सुन रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी वकील राकेश किशोर जज के डाइस के करीब पहुंचा और जूता उतारकर फेंकने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया। सुरक्षाकर्मी जब आरोपी वकील को पकड़कर बाहर ले जा रहे थे, तब वह 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे' का नारा लगा रहा था। उसके नारे से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि वह कट्टर दक्षिणपंथी मानसिकता का है, जिसके लिए संविधान मायने नहीं रखता, बल्कि धर्मांधता को वह तरजीह देता है। अब इस मामले की पूरी जांच होगी, तब पता चलेगा कि मुख्य न्यायाधीश गवई पर जूता उछालने का दुस्साहस आखिर उसने क्यों किया। हो सकता है 16 सितंबर को खजुराहो मामले में दिए फैसले से आरोपी नाराज हो, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची मूर्ति को दोबारा स्थापित करने की याचिका को खारिज कर दिया था। तब भी कुछ वकीलों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी या फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में जस्टिस गवई की मां ने जाने से इंकार कर दिया, इस बात से आरोपी नाराज हो। कारण जो भी यह घटना आजाद भारत के इतिहास में एक बड़ा कलंक बन गई है और इसका जिम्मेदार सीधे-सीधे नरेन्द्र मोदी की सरकार को कहा जा सकता है।

भाजपा पहले भी केंद्र की सत्ता में रही है, और हिंदुत्व के नाम पर नफरत फैलाने का काम उसने पहले भी किया है। बाबरी मस्जिद को तोड़ना, गुजरात दंगे इसके उदाहरण हैं। लेकिन समाज में नफरत के इजहार को लेकर एक झिझक और संकोच था। सहिष्णुता का एक महीन सा आवरण समाज पर डला हुआ था, जो अब पूरी तरह तार-तार हो चुका है। नफरत करना और उतनी ही बेशर्मी से उसका इजहार करना अब गर्व की बात हो चुकी है। संघ से प्रेरित लोग काफी अरसे से नारा देते आए हैं कि गर्व से कहो हम हिंदू हैं। पहले इस नारे को लगाने में लोग हिचकते थे। मगर अब मोदी सरकार में पूरा माहौल बदल चुका है। राहुल गांधी ने नफरत का कैरोसिन पूरे देश में छिड़के जाने का जो दावा किया था, वह सही दिखाई दे रहा है।

देश में जातिवादी और धार्मिक आधार पर हिंसा अब भयावह रूप में सामने आ रही है। जस्टिस गवई पर हमला केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, न ही यह क्षणिक भावावेश में की गई हरकत है। बल्कि यह कई बरसों से समाज में भरी जा रही नफरत का निचोड़ है। याद रहे कि जस्टिस गवई दलित समुदाय से आने वाले दूसरे मुख्य न्यायाधीश बने हैं, लेकिन बौद्ध धर्म को मानने वाले वे पहले मुख्य न्यायाधीश हैं। हालांकि संविधान के हिसाब से न्याय की आसंदी पर बैठे व्यक्ति की धार्मिक आस्था मायने नहीं रखती है। लेकिन जब पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ राम मंदिर के लिए दिए फैसले से पहले देवी के सामने बैठने की बात कहते हैं, अपने घर में गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाकर उसका सार्वजनिक इजहार करते हैं, तब समाज भी इस तथ्य को मानने लगता है कि न्यायपालिका में धार्मिक आस्था के लिए जगह बन चुकी है। अगर जस्टिस गवई की जगह कोई सवर्ण हिंदू इस समय मुख्य न्यायाधीश के पद पर होता, तब शायद इस तरह जूता उछालने का दुस्साहस नहीं किया जाता। लेकिन वे दलित हैं, क्या इसलिए उन पर हमले की कोशिश की गई, यह सवाल गंभीरता से विचार की मांग करता है।

इस घटना पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि दलित और अल्पसंख्यक होना इस देश में गुनाह बना दिया गया है, उनकी इस टिप्पणी को खारिज नहीं किया जा सकता। क्योंकि दलितों और अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ ही रहे हैं। अभी एनसीआरबी के ताजा आंकड़े भी यही बता रहे हैं कि इन आंकड़ों में कोई कमी नहीं आई है। अभी उत्तरप्रदेश में ही मानसिक तौर पर विक्षिप्त एक दलित युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है। बरेली में आई लव मुहम्मद कहने पर ऐसा बवाल चल रहा है कि जुमे की नमाज के बाद लोगों से सीधे घर जाने की अपील की गई। ओडिशा में देवी विसर्जन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। ये सारी घटनाएं भले छिटपुट दिखें और इनमें व्यापक तौर पर जान-माल का नुकसान न हो, लेकिन समाज को जो दीर्घकालिक नुकसान हो चुका है, अब उसकी भरपाई होनी चाहिए। इस तरह के नुकसान का सिलसिला अगर बढ़ता रहे तो फिर वाकई वैसा ही हिंदुस्तान बन जाएगा, जिसकी कोशिश में पिछले सौ सालों से संघ लगा हुआ है। मोहन भागवत हिंदू समाज की एकजुटता की बात कहें या मुसलमानों को साथ लेकर चलने की बात कहें, असल में संघ एक सवर्ण मानसिकता में पगा हुआ मनुवादी भारत बनाने की कोशिश में है। जिसमें अल्पसंख्यक, दलित, पिछड़ी जाति के लोग, महिलाएं सब सवर्ण पुरुषों के रहमोकरम पर रहें। अगर उन्होंने अच्छा व्यवहार किया तो इसे सौभाग्य समझें और अगर उत्पीड़न सहना पड़े तो पिछले जन्म के कर्मों का फल, इस तरह का देश बनाने की कोशिश में संघ लगा है। अब समाज को सोचना होगा कि उसे संविधान वाला देश चाहिए या फिर ऐसा देश जहां मुख्य न्यायाधीश की गरिमा भी दांव पर लगा दी गई है।

संघ के सौ बरस का इकलौता हासिल

दो दिनों में फैले आरएसएस के शताब्दी वर्ष के केंद्रीय आयोजनों ने जितने बलपूर्वक उसके बुनियादी तौर पर एक राजनीतिक संगठन और वर्तमान सत्ता की राजनीति करने वाला संगठन होने की सचाई को उजागर किया है, उतने बलपूर्वक दूसरे किसी घटनाक्रम ने नहीं किया होगा। पहले दिन, 1 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी ने, आरएसएस के वफादार स्वयंसेवक और धर्मनिरपेक्ष, जनतांत्रिक गणराज्य के प्रधानमंत्री के बीच का अंतर पूरी तरह से मिटाते हुए, आरएसएस के सौ वर्ष पूरे होने के मौके पर विशेष डाक टिकट तथा सौ रु. का विशेष सिक्का जारी करने के जरिए और इस मौके पर अपने विस्तृत संबोधन से यह काम किया। और दूसरे दिन, 2 अक्टूबर को आरएसएस के सरसंघचालक, मोहन भागवत ने अपने सालाना दशहरा संबोधन में, इस समय की अपनी सबसे बड़ी चिंता को स्वर देते हुए, वही काम किया। कहने की जरूरत नहीं है कि आरएसएस के प्रचार की असली धुरी, उसका यह बड़ा झूठ रहा है कि वह तो राजनीति से निरपेक्ष रहकर, राष्ट्र की सेवा करने वाला संगठन है!

पहले दिन, प्रधानमंत्री ने आरएसएस के लिए एक विस्तृत प्रशस्तिपत्र पढ़ने के साथ, उसके 100 वर्ष होने के उत्सव के रूप में 100 रु. का विशेष सिक्का जारी किया। बेशक, यह पहली बार नहीं था जबकि इस तरह विशेष सिक्का जारी किया जा रहा था। दुर्लभ ही सही, ऐसे मौके पहले भी आए हैं, जिनके सेलिबरेशन के तौर पर विशेष सिक्के जारी किए गए हैं। फिर भी, इस सिक्के के जारी किए जाने में कुछ ऐसा था, जो पहली बार किया जा रहा था। और यह कितने सुचिंतित तरीके से किया जा रहा था, इसका अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में, इसके पहले स्वतंत्र भारत में पहली ही बार किये जाने को अलग से रेखांकित करना जरूरी समझा। और जो पहली बार किया जा रहा था, वह था सरकार द्वारा जारी इस सिक्के पर, जहां एक तरफ राष्ट्र चिन्ह, अशोक स्तंभ उकेरा गया है, वहीं दूसरी ओर, एक समानांतर राष्ट्र चिन्ह के रूप में, तथाकथित ''भारत माता'' का चित्र उकेरा गया है।

पुन: यह कथित भारत माता, हाथ में भारत के राष्ट्रध्वज के बजाए, आम तौर पर हिंदू धार्मिक परंपराओं और मंदिरों से जुड़ा हुआ, बीच में कटाववाला मुखर रूप से हिंदू-ध्वज लिए हुए है। और चित्र में आरएसएस की पहचान कराने वाली वेशभूषा में तीन स्वयंसेवक, इस हिंदू ध्वजाधारी भारत माता को आरएसएस का खास हस्त प्रणाम कर रहे हैं, जो वास्तव में विदेशी नाजी परंपराओं से आया है। यह पूरा का पूरा चित्र, स्पष्ट रूप से दिखाता है कि जिस आरएसएस के 100 साल होने का उत्सव, एक सरकारी आयोजन के जरिए भारत के प्रधानमंत्री मना रहे थे, वास्तविक भारतीय राष्ट्रीय चिन्हों को नकार कर, उनकी जगह वैकल्पिक बहुसंख्यक-धार्मिक परंपरा के और वास्तव में बहिष्करणवादी चिन्हों को, राष्ट्रीय चिन्हों के रूप में स्थापित करने का एक सचेत प्रोजैक्ट है। यह दूसरी बात है कि इस सचाई को पेश करते हुए भी, इस पर राष्ट्रवाद का पर्दा डालने की कोशिश भी की जाती है और संस्कृत में कथित रूप से आरएसएस का आप्त वाक्य भी इस चित्र के साथ डाल दिया जाता है—सब राष्ट्र का, मेरा कुछ नहीं।

यहां यह याद दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि भारत माता की आरएसएस की उक्त संकल्पना, जिसे अब एक ही झटके में स्वयंसेवक प्रधानमंत्री द्वारा देश की सरकारी मुद्रा पर बैठा दिया गया है, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ऐतिहासिक रूप से उभर कर आयी, भारत माता की ही संकल्पना से न सिर्फ सचेत रूप से भिन्न है बल्कि उसके समानांतर गढ़ी गयी है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि भारत माता की संकल्पना पहले-पहल, अवनींद्रनाथ टैगोर ने एक चित्र रूप में पेश की थी। लेकिन, अवनींद्र नाथ की कल्पना की भारत माता वास्तव में 'भारत माता ग्राम वासिनी' थी—अपने रूप, भाव और सज्जा में, देवियों की तमाम हिंदू संकल्पनाओं से बहुत भिन्न।

राजेंद्र शर्मा

यहां यह याद दिलाना अप्रासांगिक नहीं होगा कि भारत माता की आरएसएस की उक्त संकल्पना, जिसे अब एक ही झटके में स्वयंसेवक प्रधानमंत्री द्वारा देश की सरकारी मुद्रा पर बैठा दिया गया है, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ऐतिहासिक रूप से उभर कर आयी, भारत माता की ही संकल्पना से न सिर्फ सचेत रूप से भिन्न है बल्कि उसके समानांतर गढ़ी गयी है। यह एक जाना-माना तथ्य है कि भारत माता की संकल्पना पहले-पहल, अवनींद्रनाथ टैगोर ने एक चित्र रूप में पेश की थी।

इस भारत माता का वेष एक साध्वी का है, जिसके पीछे बंकिम चंद्र चैटर्जी की रचना, आनंद मठ की प्रेरणा मानी जाती है। चार हाथ वाली इस भारत माता के एक हाथ में, भारत की कृषि प्रधानता को रेखांकित करते हुए, धान का एक छोटा सा गट्ठर भी दिया गया था। शेष तीन हाथों में एक में अगर रुद्राक्ष माला है, तो एक हाथ में पोथी है और तीसरे हाथ में कपड़े का टुकड़ा है। वास्तव में यह भारत माता भी मूल रूप में 'बंग माता' थी, जिसे जन स्वीकृति ने 'भारत माता' के आसन तक पहुंचाया था। इसके बरक्स आरएसएस लंबे अर्से से, एक शेर की सवारी करने वाली देवी की, लोक जीवन से बहुत दूर की कल्पना को, 'भारत माता' की संकल्पना के रूप में स्थापित करने में लगा हुआ था। और अब स्वयंसेवक के प्रधानमंत्री होने के बल पर, कम से कम समारोही सरकारी सिक्के में तो, इसे स्थापित करने में कामयाब भी हो गया है।

और उसी वृहत्तर प्रोजैक्ट के हिस्से के तौर पर, राजसत्ता तक पहुंच हासिल होने के 100 साल के इसी हासिल के बल पर, इसी मौके पर जारी किए गए डाक टिकट के जरिए, स्वतंत्र भारत की जानी-मानी वास्तविकता से अलग, एक समानांतर इतिहास रचने का प्रयास भी किया गया है। डाक टिकट पर प्रकाशित चित्र में 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में, अपनी पहचान कराने वाली पोशाक में ही, आरएसएस के स्वयंसेवकों को परेड करते दिखाया गया है। यह चुनाव भी कितने सचेत रूप से किया गया, इसका अंदाजा भी इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में, इस चित्र की कथा की ओर विशेष रूप से ध्यान खींचा है, ताकि इस चित्र को आधिकारिक राष्ट्रीय जीवन में आरएसएस की स्वीकार्यता का अकाट्य साक्ष्य बनाया जा सके।

यह इसके बावजूद है कि इसी सिलसिले में आरएसएस द्वारा समय-समय पर किए जाते रहे दावों को चुनौती देते हुए, ये तथ्य प्रमाणों के साथ सामने आ चुके हैं कि भारत-चीन सीमा झड़प के समय आरएसएस की किसी भूमिका को देखते हुए, जवाहरहाल नेहरू द्वारा आरएसएस को 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किये जाने का दावा, कोरी गप्प है। इसके बरक्स, सचाई यह है कि 1963 की गणतंत्र दिवस परेड, एक सैनिक परेड के बजाए मूलत: एक जन परेड के रूप में आयोजित की गयी थी, जिसमें आम जनता को भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया था और एक लाख से ज्यादा लोग शामिल भी हुए थे। अलबत्ता इस मौके का बेनिफिट लेते हुए, आरएसएस ने संगठित तरीके से अपने कार्यकर्ताओं को अपनी खास पोशाक में इसमें हिस्सा लेने के लिए कहा था, जबकि सरकार ने भी जनता को आम नियंत्रण देने के बाद, किसी को भी रोकने की जरूरत नहीं समझी। जाहिर कि संघ की राष्ट्रीय स्वीकार्यता का यह झूठ भी, अब केंद्र में सत्ता पर नियंत्रण के जरिए, सरकारी डाक टिकट के जरिए, देश से मनवाने की कोशिश की जा रही है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री के संबोधन में आरएसएस का विरुद गायन करने के लिए, जिस तरह लगातार और बार-बार शुद्ध झूठ का सहारा लिया गया है, उसके ब्यौरे में जाना इस टिप्पणी में हमारे लिए संभव नहीं है। यहां इतना कहना ही काफी होगा कि उनके संघ के संबंध में झूठे दावों की सूची बनाने बैठें तो पूरा लेख उसी में खत्म हो जाएगा। यहां हम सिर्फ इतना ध्यान दिलाना चाहेंगे कि 15 अगस्त के लाल किले के अपने संबोधन ने प्रधानमंत्री ने, आरएसएस का सरासर झूठा महिमा मंडन करने के लिए, इतिहास को साफ तौर पर तोड़ने-मरोड़ने की जो शुरूआत की थी, उसे अब उन्होंने उत्कर्ष पर पहुंचा दिया है। यह तोड़-मरोड़ 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में आरएसएस की मौजूदगी की दुर्व्याख्या तक ही सीमित नहीं रहती है। उसमें स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की 'भूमिका' के झूठे अतिरंजित दावों से लेकर, आरएसएस के 'सामाजिक समरसता' के पाखंड को उधार की विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए, गांधी से लेकर डा. आंबेडकर तक के मुंह से आरएसएस की प्रशंसा कराने तक के झूठ शामिल हैं।

और इसमें स्वतंत्र भारत में पचहत्तर साल में आरएसएस की भूमिका को लेकर झूठ भी, जिसमें महात्मा गांधी की हत्या से लेकर, बाबरी मस्जिद के ध्वंस तक, अक्षम्य करतूतों के सिलसिले में आरएसएस पर स्वतंत्र भारत में लगायी गयी पाबंदियों को उस पर 'राजनीतिक अत्याचार' बताने का महाझूठ भी। और यह सिलसिला, आरएसएस के नंबर बढ़ाने के लिए, इतने हाल के इतिहास को नंगई से झुठलाने की हद तक जाता है कि 'आज भी पंजाब में बाढ़, हिमाचल तथा उत्तराखंड में तबाही तथा केरल में वायनाड में त्रासदी जैसी आपदाओं में स्वयंसेवक सबसे पहले मदद के लिए पहुंचने वालों में थे।' लेकिन, मीडिया की खबरों के मुताबिक भी सचाई यह है कि एकदम हाल की इन आपदाओं में से किसी में भी, आरएसएस कहीं दिखाई तक नहीं दिया है। झूठे प्रचार के बल पर, झूठ को सच और सच को झूठ बनाने में संघ और उसके स्वयंसेवकों के हिटलरी भरोसे का कोई ओर-छोर ही नहीं है।

और दूसरे दिन, आरएसएस सरसंघचालक भागवत, न सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर समेत, हर क्षेत्र में मोदी सरकार को कामयाबी के सार्टिफिकेट देकर और युवाओं तक के मामले में उसकी कारगुजारियों पर संतोष जताकर, मोदी शासन से अपनी अभिन्नता का तथा अपनी राजनीतिक वचनबद्धता का प्रमाण देते हैं, वह श्रीलंका, बांग्लादेश तथा नेपाल के हाल के घटनाविकास से वह बहुत ही चिंतित भी नजर आते हैं। ''श्रीलंका में, बांग्लादेश में और हाल ही में नेपाल में जिस प्रकार जन-आक्रोश का हिंसक उद्रेक होकर सत्ता का परिवर्तन हुआ है, वह हमारे लिए चिंताजनक है।'' अपने स्तर पर भागवत इशारों में वर्तमान शासन को आगाह भी करते नजर आते हैं कि, ''शासन प्रशासन का समाज से टूटा हुआ संबंध, चुस्त तथा लोकाभिमुख प्रशासकीय क्रिया कलापों का अभाव, यह असंतोष के स्वाभाविक तथा तत्कालिक कारण होते हैं।'' फिर भी षडयंत्र का डर दिखाने का आसान रास्ता लेते हैं: ''अपने देश में तथा दुनिया में भी, भारतवर्ष में इस तरह के उपद्रवों को चाहने वाली शक्तियां सक्रिय हैं।'' और इसके बाद फौरन, इस तरह के संभावित खतरों का मुकाबला करने के लिए अपनी वैचारिक तलवार लेकर कूद पड़ते हैं: ''हिंसक उद्रेक में वांछित परिवर्तन लाने की शक्ति नहीं होती। प्रजातांत्रिक मार्गों से ही समाज ऐसे अमूलाग्र परिवर्तन ला सकता है।'' साफ है कि आरएसएस, जिसकी हमेशा से राजसत्ता पर ही नजर लगी हुई थी, सौ साल के हासिल के रूप में राजसत्ता तक अपनी पहुंच से जहां गद्गद् है, वहीं इस हासिल के हाथ से फिसल जाने के खतरे से डरा भी हुआ है। झूठ पर खड़े उसके साम्राज्य के पांव जो नहीं हैं।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

उत्तर भारत में सांप्रदायिक द्वेष भड़काने के लिए गढ़े जा रहे हैं नए बहाने

सांप्रदायिक हिंसा भारतीय राजनीति का अभिशाप रही है। यह एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी है। इस घटना के ज़्यादातर विद्वानों के अनुसार, यह हिंसा आमतौर पर सुनियोजित होती है। इस हिंसा के बाद सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का उदय होता है। विद्वानों का यह भी मानना है कि 'दंगे जातीय ध्रुवीकरण पैदा करते हैं जिससे कांग्रेस की कीमत पर जातीय-धार्मिक दलों को फ़ायदा होता है'। उनका मानना है कि जहां हिंदू-मुस्लिम दंगे कांग्रेस के लिए चुनावी तौर पर महंगे होते हैं, वहीं ये दंगे वास्तव में 'कांग्रेस जैसी बहुजातीय पार्टियों की कीमत पर जातीय-धार्मिक दलों' को मज़बूत करते हैं। इस अवलोकन के अनुसार, हिंसा भड़काने और उसका चुनावी फ़ायदा उठाने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा बहाने गढ़े जा रहे हैं।

इस लंबी सूची में नए बहाने जुड़ते जा रहे हैं, जैसे मस्जिद के सामने तेज़ संगीत बजाना, मंदिरों में गोमांस फेंकना और अफ़वाहें फैलाना, जो नफ़रत फैलाने की मुख्य प्रवृत्ति रही है। इसके अलावा, मुस्लिम राजाओं का दानवीकरण, उनके द्वारा मंदिरों का विध्वंस, तलवार के बल पर इस्लाम का प्रसार, उनके बड़े परिवारों के कारण इस देश में हिंदुओं के अल्पसंख्यक होने का ख़तरा, ये सब नफ़रत फैलाने के तरीक़ों में जुड़ गए हैं। पिछले कुछ दशकों में गाय, गोमांस भक्षण, लव जिहाद, और कई अन्य जिहाद भी जुड़े हैं, जिनमें सबसे प्रमुख हैं कोरोना जिहाद, ज़मीन जिहाद और सबसे नया 'पेपर लीक जिहाद'।

राम पुनियानी

यह 'आई लव मोहम्मद' वाला पुराना प्रकरण मुसलमानों को डराने-धमकाने और हाशिए पर धकेलने की स्थिति को और बदतर बना रहा है। अपने पैगम्बर के प्रति इस तरह के स्नेह का प्रदर्शन लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के दायरे में आता है। जैसा कि पाकिस्तान में कुछ तालिबानी तत्व दावा करते हैं कि भारत के साथ हर टकराव गज़्वा है..., यहां हमारे प्रधानमंत्री मामले को उसी दिशा में ले जा रहे हैं।

यह सब याद आता है, क्योंकि इस समय देश में 'आई लव मोहम्मद' जैसे एक मामूली नारे के इर्द-गिर्द हिंसा का माहौल है। इसकी शुरुआत कानपुर से हुई, जब मिलादुन्नबी के मौके पर पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन के जश्न में निकले जुलूस में कुछ लोगों के 'आई लव मोहम्मद' के बैनर पर इस आधार पर आपत्ति जताई कि इससे इस धार्मिक त्योहार में एक नई परंपरा जुड़ रही है। पुलिस के एक हिस्से ने इस तर्क को स्वीकार कर लिया और ऐसे पोस्टर लगाने वालों के ख़िलाफ़ एफ़आईआर दर्ज की। यह उन मानदंडों का पूर्णत: उल्लंघन है जिनके अनुसार इस पैगम्बर के प्रति सम्मान व्यक्त करने वाला एक शांतिपूर्ण जुलूस किसी भी मानदंड का उल्लंघन नहीं है। इसके बाद उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हिंसा फैल गई।

कानपुर की घटना पहली घटना थी और उत्तर प्रदेश के बरेली, बाराबंकी और मऊ जिलों में, उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के काशीपुर में और कई अन्य जगहों पर भी इसकी पुनरावृत्ति हुई।

इसके बाद पोस्टर फाड़े गए और हिंसा हुई और माहौल बिगड़ गया। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) के दस्तावेज़ों के अनुसार, 'आई लव मोहम्मद' से जुड़ी 21एफ़आईआर दर्ज की गईं, जिनमें 1324 लोग प्रभावित हुए और 38गिरफ़्तारियां हुईं। बरेली में कुछ दिनों के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया और एक स्थानीय मुस्लिम नेता मौलाना तौकीर रज़ा खान को एक हफ़्ते के लिए नज़रबंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुसलमानों को बेतरतीब ढंग से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कानपुर की घटना पर एक ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया था। इसमें वे ख़ुद शामिल नहीं हुए और हंगामा मचा दिया। इस गैरज़िम्मेदाराना हरकत के कारण कई मुसलमानों को गिरफ़्तार कर लिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम ने मुसलमानों के ख़िलाफ़ अंतर्निहित नफ़रत को भी उजागर किया। जैसा कि अक्सर होता है, शीर्ष सांप्रदायिक नेता बेतुके बयान देते हैं जिससे सांप्रदायिक तत्व अपने नफ़रत भरे अभियान को तेज़ कर देते हैं और हिंसा को जन्म देते हैं। श्री मोदी बार-बार ऐसा करते रहे हैं, ज़्यादातर चुनावों के समय। इस बार उनके अभियान 'घुसपैठिए' शब्द को सामने ला रहे हैं। यह परिघटना बिहार और खासकर असम में मुसलमानों के लिए अभिशाप बन गया है। बिहार के बाद, जहां 47 लाख से ज़्यादा मतदाता मताधिकार से वंचित हैं, पूरे देश में लागू किए जाने वाले ख़तरनाक मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के औचित्य में से एक यही है।

इस बार, उत्तर प्रदेश, जहां सबसे ज़्यादा घटनाएं हुई हैं, के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे बयान दिए जो राज्य के एक मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देते। उन्होंने कहा कि वे 'गज़्वा-ए-हिंद' का नारा लगाने का सपना देखने वालों को 'जहन्नुम के टिकट' देंगे। यह गज़्वा-ए-हिंद यहां कहां से आ गया? भारतीय मुसलमानों का एक वर्ग, गज़्वा नहीं, बल्कि 'आई लव मोहम्मद' का नारा लगाता रहा है... यह गज़्वा का नारा तालिबानी किस्म के लोगों द्वारा इस्तेमाल किया गया है और हिंदू दक्षिणपंथी पूरे मुस्लिम समुदाय पर इसके लिए आरोप लगा रहे हैं। इसलिए, कुरान में गज़्वा-ए-हिंद का कोई स्थान नहीं है। एक संदिग्ध हदीस में यह शब्द आता है, लेकिन यहां हिंद का मतलब बसरा है, भारत नहीं। पाकिस्तान में कई ऐसे कट्टरपंथी हैं जो दावा करते हैं कि हर युद्ध भारत के खिलाफ गज़्वा है...।

योगी ने आगे कहा कि 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर अराजकता फैलाने के लिए लगाये जा रहे हैं। उन्होंने हिंदुओं से हिंदू विरोधी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से सावधान रहने को कहा... (इंडियन एक्सप्रेस, मुंबई संस्करण, 29 सितंबर, पृष्ठ 6) यह भारत के सबसे बड़े अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ द्वेष पैदा करने का सबसे बुरा उदाहरण है। यह नारा अराजकता कैसे पैदा कर सकता है? यह नारा राष्ट्र-विरोधी कैसे है, यह समझ से परे है। उनके बयान लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन करते हैं, जो हमें शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का अधिकार देते हैं।

यह 'आई लव मोहम्मद' वाला पुराना प्रकरण मुसलमानों को डराने-धमकाने और हाशिए पर धकेलने की स्थिति को और बदतर बना रहा है। अपने पैगम्बर के प्रति इस तरह के स्नेह का प्रदर्शन लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के दायरे में आता है। जैसा कि पाकिस्तान में कुछ तालिबानी तत्व दावा करते हैं कि भारत के साथ हर टकराव गज़्वा है..., यहां हमारे प्रधानमंत्री मामले को उसी दिशा में ले जा रहे हैं। क्रिकेट में पाकिस्तान पर जीत के बाद, उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन सिंदूर का ही विस्तार था।

ऐसी स्थिति में मुस्लिम समुदाय क्या प्रतिक्रिया देता है? तेज़ संगीत बजाते डीजे वाले रामनवमी के जुलूस और कुछ उपद्रवियों द्वारा मस्जिदों पर जबरन भगवा झंडा फहराने के विपरीत, मुसलमानों द्वारा इस तरह के शांतिपूर्ण जुलूस निकालना बिल्कुल सामान्य है! हमारे कुछ हिंदू त्योहारों को हथियार बनाया जा रहा है! इरफ़ान इंजीनियर और नेहा दाभाड़े की किताब 'हिंदू त्योहारों का हथियारीकरण' में ज़मीनी स्तर पर की गई जांच से पता चलता है कि ख़ास तौर पर रामनवमी के जुलूस का इस्तेमाल मस्जिदों और मुस्लिम बहुल इलाकों के आसपास उपद्रव मचाने के लिए किया जा रहा है। इसके विपरीत मुस्लिम त्योहारों को बदनाम किया जा रहा है। 'आई लव मोहम्मद' वाला मिलादुन्नबी इसका दर्दनाक उदाहरण है।

मुस्लिम त्योहारों पर इस तरह की नफ़रत भरी प्रतिक्रियाएं, जैसा कि हाल ही में देखा गया है, दिलों के विभाजन, समुदाय के ध्रुवीकरण और भारतीय संविधान के अभिन्न अंग, हमारे भाईचारे के मूल्यों को कमज़ोर करने का काम करती हैं। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा दिए जा रहे बयान संवैधानिक नैतिकता के बिल्कुल विपरीत हैं। ऐसी परिस्थिति में मुस्लिम समुदाय को यथार्थवादी होना चाहिए और हिंदू सांप्रदायिक तत्वों को उन पर हमला करने या उन्हें और बदनाम करने का कोई बहाना नहीं देना चाहिए।

आपके पत्र

आज की शिक्षा प्रणाली में सुधार की अपेक्षा

मानव की सोई हुई शक्ति को जगाने वाली शिक्षा ही है। शिक्षण का सही लक्ष्य मानव बनाने का है। जिस शिक्षा से मानव में मानवता जागृत न हो अथवा पशुता के संस्कार समाप्त न हों, उस शिक्षा का कोई महत्व नहीं है। वर्तमान में जो शिक्षा-पद्धति है, वह समीचीन नहीं है। आज इस बात की आवश्यकता है कि शिक्षा का, ज्ञान का स्वरूप सम्यक हो एवं वातावरण में व्याप्त अराजकता के उन्मूलन के लिए जागरूकतापूर्वक प्रयास हो।

यह कटु सत्य है कि आज की शिक्षा प्रणाली सम्यक नहीं है। कहां हमारा ज्योतिर्मय अतीत एवं कहां अंधकारमय वर्तमान? यदि यही स्थिति रही तो भविष्य को धूमिल और अंधकारमय ही समझना चाहिए। जब हम अपने अतीत की ओर दृष्टिपात करते हैं तो मन गर्व से अभिभूत हो उठता है। बड़ों के प्रति विनय रखो, छोटों को स्नेह दो, किसी का दिल मत दु:खाओ, झूठ मत बोलो, हिंसा से बचो, अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए किसी का शोषण मत करो, जीवन की यात्रा अनुशासनबद्ध होकर करो, प्रामाणिकता को कभी भी खण्डित मत होने दो। 'मातृ देवो भव', 'पितृ देवो भव' और 'अतिथि देवो भव' के आदर्श को एक पल के लिए भी विस्मृत मत करो। कितनी उदात्त शिक्षा थी हमारे भारतवर्ष की। इस शिक्षा के आधार पर व्यक्तिव का निर्माण होता था और आज?

शिक्षा के क्षेत्र में व्यापारीकरण की ज्वाला फुट रही है। पेपरलीक जैसी घटनाएं बन रही है। इसमें अयोग्य छात्र सरकारी नौकरियों में प्रवेश कर जाते हैं जबकि होशियार छात्र की राहें कठिन हो जाती है। शिक्षकों की व्यभिचारी प्रवृत्ति समय समय पर अखबार की सुर्खियां बटोरती है। यह समाज का काला सच कड़वे घूंट के रूप में हम सबको पीना पड़ता है। स्कूल में भारी बैग का वजन ढोने वाले विद्यार्थी की दशा पर तरस आता है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल पेटपूर्ति अथवा रोजगार मात्र नहीं है। शिक्षा वही शिक्षा है जो सुधार की समग्र दिशाओं को प्रशस्त करती है। हमें वही शिक्षा आत्मसात करनी है जिसे स्व-पर हित सम्यक प्रकार से सम्पादित हो। पाश्चात्य शिक्षा का यह प्रभाव हुआ है कि न हम पूरे अंग्रेज बन पाये और न पूरे भारतीय ही रह पाये। हमारा चित्त बन गया यूरोपियन और देह रह गई भारतीय। शरीर भारतीय है, क्योंकि उसे हम गोरा नहीं बना पाये पर हां, हमारी वेशभूषा, खान-पान, रहन-सहन, बोल-चाल सब कुछ यूरोपियन हो चुका है। स्कूलों में अंग्रेजी को अनिवार्य करके हमारी हिंदी भाषा से मुंह मोड़ने वाले क्या जताना चाहते है?

उद्दण्डता, उच्छृंलखता, अनुशासनहीनता एवं तोड़-फोड़ किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। अनुशासनहीनता और सद्गुणों की उपेक्षा से जीवन अपवित्र होता है। विद्यार्थियों से परिवार, समाज और राष्ट्र को कई अपेक्षाएं हैं। आप मनोयोग के साथ अध्ययन कीजिए एवं अर्जित किये गये ज्ञान को जीवन के आचरण के रूप में लाइये। आचरण से ही जीवन उत्कृष्ट बनता है। आपको सदाचार का स्वागत करना है और सच्चे अर्थों में इनसान बनना है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

राजनीति के नए रंग

'भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत के साथ केन्द्र में तथा आम आदमी पार्टी को अभूतपूर्व बहुमत के साथ दिल्ली में मतदाताओं ने इस भावना के साथ विजय दिलवाई थी कि ये सरकारें लोकहित में बिना किसी अनुचित दबाव के काम कर सकेंगी, किन्तु यह विश्वास बहुत जल्दी बिखरते नज़र आ रहा है। पिछले सात-आठ दिन में राजनीतिक मंच पर जो दृश्य देखने मिले हैं वे बढ़ती हुई निराशा और मोहभंग की ओर ही संकेत करते हैं। लगभग दस माह पूर्व केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी और उसके बाद भी जनता ने प्रदेश विधानसभाओं के चुनावों में भाजपा को शायद यही सोचकर समर्थन दिया था कि नरेन्द्र मोदी के हाथ जितने मजबूत होंगे उतनी ही गति से देश का विकास होगा, लेकिन अब लोग अपने ही फैसले पर शंका कर रहे हैं। ऐसी ही कुछ स्थिति दिल्ली के संदर्भ में आम आदमी पार्टी की भी बन गई है।'

(देशबन्धु में 12 मार्च 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/03/blog-post_11.html

पावन प्रसंग

दुर्जनों से शालीनता से निपटा जाए

जिस समाज-समुदाय के साथ हमारा संपर्क इच्छा या अनिच्छापूर्वक बनता रहता है, उसमें भले-बुरे सभी प्रकार के लोग होते हैं। वे सभी अपने-अपने ढंग से अपना-अपना प्रभाव छोड़ते हैं। इसमें कुछ ग्रहण करने योग्य होते हैं, कुछ त्यागने के योग्य। सभी से पूर्णरूपेण बच सकना अथवा घनिष्ठ बन सकना संभव नहीं। बिना संपर्क के एकाकी बने रहना भी संभव नहीं। इसलिए जो अवांछनीय है, उससे बचने के लिए कोई-न-कोई ऐसा उपाय सोचना चाहिए, जिससे आत्मरक्षा बन पड़े।

सर्वथा संपर्क- विहीन जीवन मनुष्य के लिए संभव नहीं। इसलिए प्रतिकूलताओं से आत्म-रक्षा करने की व्यवस्था बनाने के अतिरिक्त और कोई चारा नहीं। रास्ते में बिखरे कांटों और कंकड़ों को बीनकर रास्ता साफ-सुथरा बना लेना कठिन है। ऐसी स्थिति में सरल उपाय यही है कि पैरों में जूते पहन लिए जाएं तो कांटे कंकड़ों को दबाते-कुचलते हुए अपनी राह चलते रहा जा सकता है। सभी सड़कें साफ-सुथरी नहीं होतीं। उन्हें पार करने वाले अपने वाहन को इस प्रकार संभालते हैं कि रास्ते में आने वाली कठिनाइयों से निपटते हुए अपनी राह चल सकना संभव हो सके।

सज्जनों के साथ संपर्क बना रह सके, ऐसे अवसरों की तलाश करते रहने पर कभी-न-कभी वैसा सुयोग भी मिलता रहता है। ऐसे संपर्क थोड़े समय के मिलें, तो भी उसमें कुछ-न-कुछ ऐसा जाना जा सकता है, जो आगे चलकर काम आए।

सज्जनों का साथ न मिले, तो कष्ट-पीड़ितों की सहायता करने के अवसर खोजे जाएं, इसके लिए जितना समय मिले, उतने समय का सदुपयोग कर लिया जाए; इसे भी एक प्रकार का सौभाग्य ही मानना चाहिए। दुष्ट जनों का दुर्व्यवहार सहना पड़े, तो क्रोध आना और दु:ख होना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति का सामना करने के लिए अपना मन उस चिकित्सक जैसा बना लेना चाहिए, जिसे गंदगी में सने, बेहूदी बक-झक करने वाले और अपशब्दों का प्रयोग करने वाले रोगियों से पाला पड़ता ड़ता है। वे समझते हैं कि यह उनकी विवशता है। मस्तिष्क ठीक तरह काम न करने के कारण ही उन्हें अंट-शंट बकना पड़ता है। यदि उनकी मानसिक स्थिति सही रही होती, तो वे भी सभ्य जनों जैसा व्यवहार करते। बुद्धिमान चिकित्सक रोग को भगाने और रोगी को बचाने का प्रयत्न करते हैं। विक्षिप्त रोगियों से भी उनको द्वेष नहीं होता। उलटी-दस्त कर बैठने वाले रोगी की भी वे सफाई का इंतजाम करते हैं।

अवांछनीय जहां भी दीख पड़े, वहीं लड़ाई-झगड़ा आरंभ कर दिया जाए- यह आवश्यक नहीं। असहयोग, उपेक्षा आदि के सहारे भी चला जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर बच्चे द्वारा की जाने वाली उदंडता के अवसर पर धमका देने भर से भी काम चल सकता है। उनके प्रति बहुत कठोर नहीं होना चाहिए। दंड देने की अपेक्षा प्रयत्न इतना ही पर्याप्त है कि उदंडों को डरा देने की धमकी की कुशल व्यवस्था करके ही काम चलाया जाए। ठगों के साथ स्वयं ठगी की जाए, धूर्तों के साथ स्वयं भी धूर्तता करने की योजना बनाई जाए, यह उचित नहीं। नीतिमत्ता एवं शालीनता जैसे आधार अपनाए जाने पर भी दुर्जनों से निपटा जा सकता है। सज्जनों से तो निकट रहकर ही लाभ उठाना चाहिए।

-युग निर्माण योजना

सार-समाचार

शरद पूर्णिमा पर महिलाओं ने रखा व्रत, की सुख-शांति की कामना

सिलवानी, देशबन्धु। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में सोमवार को श्रद्धा व आस्था के साथ शरद पूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने व्रत रखकर तुलसी माता की पूजा–अर्चना की और मावा के लड्डूओं का भोग अर्पित किया। पारंपरिक रीति के अनुसार महिलाओं ने 750 ग्राम मावा से 7 लड्डू बनाए। इनमें से एक लड्डू गौमाता को, एक सखी को, एक गर्भवती महिला को और एक पति को दिया गया। वहीं एक लड्डू मंदिर में भगवान को भोग लगाकर अर्पित किया गया। शेष लड्डूओं को तुलसी माता को चढ़ाकर पूजन किया गया। पूजन उपरांत महिलाओं ने परिवार की सुख–शांति और समृद्धि की कामना की। साथ ही अपने पति और पुत्रों की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की। देर रात तक चांदनी में खीर रखकर उसका प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा भी निभाई गई। ग्रामीण अंचल में भी लोगों ने पारंपरिक श्रद्धा के साथ पर्व मनाया।

सांदीपनि विद्यालय की छात्रा स्मृति ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

सांची,देशबन्धु। भोपाल में आयोजित संभागीय बालरंग प्रतियोगिता में सांदीपनि विद्यालय सांची की कक्षा 9 की छात्रा स्मृति राजपूत ने नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर प्रतियोगिता के लिए चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 13 अक्टूबर को नर्मदापुरम में आयोजित होगी। विद्यालय की नृत्य शिक्षिका साक्षी रघुवंशी, तबला वादक शशिकांत, गजेंद्र लोधी, रेनु तिवारी, दीक्षा लोधी तथा गीत पर स्वर देने वाली छात्रा सिमरन पाल का विशेष सहयोग रहा। टीम का नेतृत्व प्रधानाध्यापक ज्योति डाबरे ने किया। इसी प्रतियोगिता में विद्यालय ने संस्कृत नाटिका और सामूहिक नृत्य वर्ग में भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

शिक्षकों को नहीं मिला सितंबर का वेतन, बाबू की लापरवाही बनी वजह

सिलवानी, देशबन्धु। सिलवानी ब्लॉक के लगभग 1000 शिक्षकों को सितंबर माह का वेतन अब तक नहीं मिल पाया है, जिससे वे भारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रानी अहिरवार का अवकाश पर होना और कार्यालय में पदस्थ बाबू की लापरवाही बताई जा रही है।शिक्षकों ने बताया कि उन्होंने समय पर अपनी उपस्थिति और संबंधित दस्तावेज़ विभाग में जमा कर दिए थे, फिर भी वेतन भुगतान नहीं हुआ। त्योहारी सीजन में वेतन न मिलने से शिक्षक मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। एक शिक्षक ने नाम न छापने की शर्त पर कहा त्योहार सामने हैं और घर चलाना मुश्किल हो गया है। कई जरूरी खर्च अधर में हैं। विभाग को वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए ताकि अधिकारी के अवकाश में भी भुगतान बाधित न हो। जिला शिक्षा अधिकारी डीडी रजक के अनुसार बीईओ रानी अहिरवार की तबीयत खराब है और वे भोपाल के अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने कार्यालय में पदस्थ बाबू शिवम श्रीवास्तव को निर्देशित किया था कि वह वेतन भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण कर, आवश्यक ओटीपी लेकर बिल पास कराएं। लेकिन क्रिएटर की जिम्मेदारी निभा रहे शिवम श्रीवास्तव द्वारा बिल ही जनरेट नहीं किया गया है, जिससे भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी।

चल पड़ा पारंपरिक व्यवसाय, बनाए जा रहे मिट्टी के दीपक और मूर्तियां

दीपावली नजदीक: मिट्टी के साथ चाक ने पकड़ी रफ्तार

__सिलवानी, देशबन्धु।__ दीपावली का पर्व नज़दीक आते ही एक बार फिर कुम्हार की चाक ने रफ्तार पकड़ ली है। मिट्टी में जान फूंक कर दीपक और मूर्तियों का रूप देने में जुटे शिल्पकार इस बार भी परंपरा के साथ–साथ अपने परिवार की आजीविका को रोशन करने में लगे हैं। यह सिर्फ एक त्यौहार की तैयारी नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का संकल्प है। मिट्टी के दीयों, मूर्तियों, कलश और अन्य पूजन सामग्री का निर्माण तेजी से हो रहा है। चाक पर घूमती मिट्टी से न सिर्फ दीये बन रहे हैं, बल्कि उम्मीदें भी आकार ले रही हैं।

जयकुमार प्रजापति बताते हैं मिट्टी को दीये के रूप में ढालना आसान नहीं है। सबसे पहले मिट्टी को छाना जाता है, फिर उसे गलाकर कंकड़ हटाए जाते हैं। इसके बाद चाक पर उसे सही आकार देना पड़ता है। यह मेहनत, धैर्य और कौशल का काम है। जयकुमार का परिवार कई पीढ़ियों से यह काम करता आ रहा है। वे बताते हैं कि शुद्ध पीली मिट्टी से बनाए गए दीयों की मांग आज भी बनी हुई है। उनका मानना है कि यह परंपरा सिर्फ व्यवसाय नहीं, बल्कि संस्कृति की सेवा है।

राजेश प्रजापति बताते हैं कि दीपावली के अवसर पर पूरा परिवार मिलकर काम करता है। लक्ष्मी–गणेश की मूर्तियां, कलश, हवन कुंडी और अन्य पूजन सामग्री तैयार की जाती है। दीपावली तक हम 40 से 50 हजार रुपये तक की बिक्री कर लेते हैं। उन्होंने कहा बाजार में भले ही इलेक्ट्रॉनिक दीयों और प्लास्टिक की मूर्तियों का प्रचलन बढ़ा हो, लेकिन मिट्टी से बने पारंपरिक दीयों की चमक आज भी कायम है। दीपावली के नजदीक आते ही शहर के बाजारों और गांवों में मिट्टी से बनी वस्तुओं की दुकानें सजने लगी हैं। एक–दो दिनों में इनकी रौनक और बढ़ेगी। यह त्योहार उनके लिए सिर्फ उजियारा लाने का नहीं, बल्कि पूरे वर्ष के जीवन यापन का माध्यम भी है।

संघर्ष के बावजूद हौसले बुलंद

बढ़ती महंगाई और आधुनिकता के इस दौर में इन कारीगरों की आमदनी भले ही प्रभावित हुई हो, लेकिन उनका हौसला कम नहीं हुआ है। मिट्टी को रूप देकर वे न सिर्फ अपनी परंपरा को जीवित रखे हुए हैं, बल्कि दीपावली की असली आत्मा मिट्टी की खुशबू, सादगी और परिश्रम को भी जीवंत बनाए हुए हैं।

भावांतर योजना में सोयाबीन उत्पादक किसानों का 17 अक्टूबर के पहले कराएं पंजीयन: कलेक्टर

हेल्पलाईन और विभागीय योजनाओं की समीक्षा की

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, शासकीय पत्रों और विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सोयाबीन भावांतर योजना के तहत जिले में अभी तक हुए किसान पंजीयन की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर के पहले सभी सोयाबीन उत्पादक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराएं। सभी एसडीएम को भी किसान पंजीयन कार्य की मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार और अधिकारीवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों तथा निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाईन आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है, इनके निराकरण में लापरवाही ना बरती जाए। सीएम हेल्पलाईन प्राप्त होते ही संतुष्टिपूर्ण निराकरण की कार्यवाही प्रारंभ की जाए।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने समीक्षा के दौरान कहा कि 50 दिवस से अधिक समयावधि की शिकायतों में कमी नहीं आई है, अधिकारी गंभीरता के साथ लंबित शिकायतों को निराकृत कराएं। उन्होंने विभागवार समीक्षा के दौरान पीओ डूडा को निर्देश दिए कि नगरीय निकायों की शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही की प्रतिदिन समीक्षा करें तथा निराकरण में तेजी लाएं। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा के दौरान अधिक संख्या में शिकायतें लंबित होने पर सिविल सर्जन और संबंधित अधिकारियों निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग की सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निराकरण की गति संतोषजनक नहीं होने पर जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि लगातार निर्देशों के उपरांत भी शिकायतों के निराकरण में प्रगति नहीं आई है। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों का काम भी निराशाजनक है। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को हिदायत देते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाईन को गंभीरता से लें और प्राथमिकता से अंतिम निराकरण सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने टीएल बैठक से अनुपस्थित रहे अन्य पिछड़ा वर्ग के सहायक संचालक श्री सुमित रघुवंशी को सीएम हेल्पलाईन के निराकरण में उदासीनता बरतने तथा रूचि नहीं लेने पर मोबाईल पर फटकार लगाई। साथ ही कार्यशैली में सुधार लाते हुए गंभीरता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने निम्न गुणवत्ता से बंद सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा के दौरान जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग तथा महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का पुन: अवलोकन करने के निर्देश दिए। साथ ही नॉन अटेन्डेन्ट शिकायतों की भी जानकारी लेते हुए ऊर्जा विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग, एमपीएसएसी तथा संस्थागत वित्त के अधिकारियों को निर्देशित किया भविष्य में इस प्रकार की पुनर्रावृत्ति ना हो। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ तथा विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा का वार्षिक अधिवेशन आयोजित

रायसेन, देशबन्धु। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा का जिला स्तरीय वार्षिक अधिवेशन शगुन गार्डन में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में यशवंत सिंह मीणा जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि जो भी पेंशनर्स की मांगें हैं उसमें जो सहयोग होगा हम करेंगे।

विशेष अतिथि राकेश शर्मा भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि पेंशनर्स की जो उचित मांगे हैं उन्हें हम मुख्यमंत्री तक अवश्य पहुंचाएंगे। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा ने कहा कि पेंशनर्स की मुख्य मांगे धारा 49(ए) तुरंत खत्म की जावे ताकि महंगाई भत्ता स्वीकृत के लिए जो छत्तीसगढ़ भेजना होता है उससे निजात मिल सके। वर्षो से अटका एरियर्स का भुगतान किया जावे। आयुष्मान कार्ड का लाभ सभी पेंशनर्स को मिलना चाहिए अर्थात 70 वर्ष की आयु सीमा हटाई जावे। जिला मुख्यालय रायसेन में पेंशनर्स भवन के लिए विधायक निधि, सांसद निधि से आर्थिक मदद की दिलाई जावे।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सविता जमना सेन कहा कि भवन निर्माण में जो मदद हो सकेगी वह हम करेंगे। जिले की सभी तहसीलों से लगभग 100 सदस्य उपस्थित हुए तथा 150 के लगभग स्थानीय पेंशनर्स सामिल हुए। मंच संचालन तोरन सिंह विश्वकर्मा एवं राम कुमार श्रीवास्तव ने किया। अंत में गिरधारी लाल शाक्य ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

नगर परिषद ने चेताया फिर भी बिजली अधिकारियों ने नहीं दिया ध्यान

सांची,देशबन्धु। नगर परिषद प्रशासन ने मकानों के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइनों को लेकर विद्युत मंडल को कई बार चेताया, लेकिन लापरवाही बरती जा रही है। हाल ही में एक ही परिवार के सात सदस्य करंट की चपेट में आए थे, जबकि हेडगेवार कॉलोनी में एक युवक की मौत हो चुकी है। नगर परिषद ने बताया कि बार–बार सूचना एवं पत्राचार करने के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जबकि पत्राचार की प्रति कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी आयुक्त नगरीय प्रशासन विभाग तक भेजी गई थी। बावजूद इसके बिजली तार मकानों के ऊपर से नहीं हटाये जा सके जिससे करंट लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। परिषद प्रशासन का कहना है कि बिजली लाइनें एवं खंभे विद्युत मंडल के अधीन हैं, जबकि परिषद केवल स्ट्रीट लाइट व्यवस्था का संचालन करती है। इसके बावजूद मंडल कर्मचारी स्ट्रीट लाइट लाइन से घरेलू कनेक्शन देकर उपभोक्ताओं से वसूली कर रहे हैं, जिससे आर्थिक भार नगर परिषद पर पड़ रहा है। सीएमओ रामलाल कुशवाह ने कहा कि नगर में जर्जर बिजली लाइनें लोगों की जान के लिए खतरा बनी हुई हैं। परिषद प्रशासन ने बिजली अधिकारियों से तारों को मकानों से हटाकर सुरक्षित व्यवस्था बनाने की मांग की है। परिषद द्वारा ऐसे अवैध कनेक्शनों की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई कराई जाएगी।

छत का प्लास्टर गिरने से विद्यालय के प्राचार्य बाल- बाल बचे

नागदा, देशबन्धु । उज्जैन जिले के नागदा में संचालित भारत कॉमर्स उ.मा. विद्यालय के प्राचार्य कक्ष की छत का प्लास्टर अकस्मात गिर गया। गनीमत थी कि प्राचार्य राउंड पर थे और वह बाल–बाल बच गए। स्कूल संचालन कमेटी के प्रेसिडेंट एस. एन.शर्मा से जब संपर्क किया गया तो उन्होंने शनिवार को दूरभाष पर बड़ौदा से इस दुर्घटना की पुष्टि की है। श्री शर्मा ने बताया बुरानाबाद नवोदय स्कूल के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. के बी गुप्ता को भारत कॉमर्स स्कूल में प्राचार्य नियुक्त किया गया है। स्कूल में जब हादसा हुआ, तब छत से प्लास्टर प्राचार्य की कुर्सी के पास गिरी। उस समय वे वहां नहीं थे। उन्होंने बताया डॉ. के बी गुप्ता राउंड पर थे। बड़ा हादसा टल गया। एक सवाल के जवाब में श्री शर्मा ने बताया डॉ. गुप्ता को यहां पर एक वैकेंसी आधार पर इंटरव्यू के बाद पदस्थ किया गया है।

बच्चों की प्रारंभिक देखभाल पर विशेष प्रशिक्षण आयोजित

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण के महत्व से कराया अवगत

सिलवानी, देशबन्धु। सिलवानी विकासखंड में बच्चों के समग्र विकास को लेकर एक सराहनीय पहल की गई है। बच्चों की प्रारंभिक देखभाल और लालन–पालन के लिए मिलेगा सहारा विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और देखभालकर्ताओं को बच्चों की देखभाल, पोषण और संवेदनशील पालन–पोषण के महत्व से अवगत कराना था।

इस दौरान प्रशिक्षक प्रशांत शर्मा, समन्वयक गौरीशंकर द्विवेदी, प्रतीक्षा शर्मा आदि मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की देखभाल की बारीकियों को समझाने के लिए वीडियो का उपयोग किया गया, जिनमें रोजमर्रा की स्थितियों और व्यवहारों को सरल व प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया था। इससे प्रतिभागियों को विषयवस्तु को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिली। विशेषज्ञों के अनुसार जीवन के शुरुआती वर्षों में मस्तिष्क का विकास अत्यंत तीव्र गति से होता है। इस दौरान मिलने वाला पोषण, मानसिक उत्तेजना और देखभाल, बच्चे के भविष्य की नींव तय करते हैं। एक सुरक्षित, स्नेहमयी और शिक्षाप्रद वातावरण न केवल बच्चे को स्वस्थ बनाता है, बल्कि उसे आत्मविश्वासी और बुद्धिमान भी बनाता है। प्रशिक्षण की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ग्राम स्तर तक पहुंचने की रणनीति है। प्रशिक्षण प्राप्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अब अपने–अपने केंद्रों पर इन शैक्षिक वीडियो की सहायता से माता–पिता और अभिभावकों को प्रशिक्षित करेंगी। इससे समुदाय स्तर पर बच्चों की देखभाल के प्रति एक जागरूक माहौल बनेगा, और माता–पिता भी व्यावहारिक समाधान पा सकेंगे।

गैर राजनैतिक पानी पर चर्चा महापंचायत बैठक में निर्णय, दूषित पानी की आपूर्ति करने के खिलाफ थाने में देंगे ज्ञापन

सीएमओ पर अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने होगा आंदोलन

नागदा, देशबन्धु । उज्जैन जिले के नागदा शहर में शहर में गत दिनों दूषित और बिना परीक्षण के जलापूर्ति करने पर जागरूक नागरिकों में आक्रोश भड़क उठा है। जनता के स्वास्थ्य के साथ किए गए कथित खिलवाड़ पर सीएमओ के खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने की मांग का एक आंदोलन खड़ा करने का प्रस्ताव पारित किया गया। यह निर्णय एक गैर राजनैतिक मंच के बैनर तले पानी पर चर्चा महापंचायत की बैठक में लिया गया। युवा नेता बसंत मालपानी के संयोजन में हुई बैठक में आगामी अंदोलनों की रूपरेखा भी तय की गई। बैठक में शहर के लगभग 55 जागरूक नागरिकों ने भाग लिया। महिलाओं और कुछ जनप्रतिनिधियों ने भी इसमें सहभागिता की। कई वक्ताओं के विचार में यह तथ्य उभर कर सामने आया है कि गत दिनों बिना जांच के दूषित पानी का वितरण किया गया। उसके लिए नपा के सीएमओ जिम्मेदार हैं। ऐसी स्थिति में रविवार 12 अक्टूबर को पुलिस थाने में सीएमओ पर अपराध कायम करने के लिए ज्ञापन देने पर सहमति बनी। एक भीड़ के साथ नागरिक पुलिस थाना परिसर में पहुंचेंगे।

आंदोलन के बिना निराकरण संभव नहीं: बैठक के प्रारंभ में संयोजक बसंत मालपानी ने दूषित जल आपूर्ति और शहर में चरमराई सफाई व्यवस्था, नपा में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ मोहल्ला और वार्ड स्तर तक आंदोलन खड़ा करने की मंशा जताई। जनचेतना जागृत करने के लिए पैम्प्लेट वितरीत करने का ऐलान किया। जिस पर उपस्थित जनसमूह ने सहमति जताई। उन्होंने बताया यह एक गैर राजनैतिक आंदोलन होगा। आंदोलन का नेतृत्व जनता करेगी।

सामाजिक कार्यकर्ता अभय चौपड़ा ने दूषित पानी की जलापूर्ति पर जनता के स्वाथ्य के साथ खिलवाड़ करने पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों पर निशाना साधा। उन्होंने दूषित जल से होने वाली बीमारियों पर प्रकाश डाला। पत्रकार कैलाश सनोलिया ने कहा चंबल नदी पर बना 16 एमएलडी का प्लांट एक मानक के अनुसार प्रतिदिन एक करोड़ 60 लाख लीटर पानी शुद्ध करने की क्षमता रखता है। इसको बनाने के लिए 2करोड 27 लाख का खर्च आया था।

इसका निर्माण शहर के लिए बनी जलआवर्धन योजना के तहत किया गया है। यह योजना वर्ष 2026 तक हर परिस्थति आबादी बढोतरी, नई कालोनियों का विस्तार, शहर की बदलती भौगोलिक स्थिति को ख्याल में रखकर शुद्ध और पर्याप्त जलापूर्ति कराने के मकसद से बनी है। एक मानक के अनुसार एक व्यक्ति को प्रतिदिन 165 लीटर पानी उपभोग के लिए पर्याप्त है। हालांकि यह आंकड़ा बहुत ज्यादा है। इस मान से वर्तमान का जो 16 एमएलडी का प्लांट है वह एक मानक के अनुसार 1 लाख 18 हजार लोगों को प्रतिदिन शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए सक्षम है। अब इस आबादी पर विचार करे तों बिड़लाग्राम के कई क्षेत्रों में ग्रेसिम अपने प्लांट से आपूर्ति करता है। जबकि गत जनगणना में नागदा और बिड़लाग्म समेत कुल आबादी एक लाख मात्र 39 थी। यदि आबादी का विस्तार हुआ तो बिडलाग्राम के इलाकें मे जहां ग्रेसिम जलापूर्ति कर रहा है, उसकी आबादी का बोझ हमारे प्लांट पर नहीं है। जितनीआबादी पिछली जनगणना के बाद बड़ी लगभग उतनी आबादी को उद्योग अपने क्षेत्र में अपने प्लांट से पानी पिला रहा।

इधर प्लांट पर अस्थायी कर्मचारी कार्यरत है। वे इतने कुशल भी नहीं है। प्रयोगशाल बंद पडी रही। इसका मतलब जिम्मेदारों की लापरवाही से दूषित जल वितरित हुआ। जिसका खामियाजा जनता ने भोगा। पार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र सिंह राणावत ने विधानसभा के आंकड़ों का हवाला देकर बताया कि गत पिछली बार 55 लाख की एलम नपा ने खरीदी है। इतनी मात्रा में एलम का उपयोग भ्रष्टाचार की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर बकुलेश जैन, हरचरण चावला, अशोक गौर, सतीश बजाज, विनयराज शर्मा, एन गोथरवाल, निशा चौहान, श्रीमती गुड्डी गुर्जर, रानी शेख ने भी चिचार रखें। बैठक का संचालन नरेन्द्र सिंह देवड़ा ने किया।

बच्चा बना आकर्षण

इस बैठक में एक 5 – 6 वर्ष का बच्चा आकर्षण का केन्द्र बना। उसने बैठक में कहा कि गंदी पानी पीने से उसका पेट खराब हुआ। वह बीमार हुआ और जनसेवा में भर्ती रहा। व्यापारी दिलीप कांठेड ने इस प्रकार के आंदोलन को सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

सार समाचार

अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार न्यायिक सुरक्षा परिषद की बैठक संपन्न

आष्टा, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार न्यायिक सुरक्षा परिषद की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष नियाजउद्दीन पठान ने की। इस बीच रिटायर्ड डीएसपी मानसिंह परमार को अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार न्यायिक सुरक्षा परिषद, उज्जैन जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार न्यायिक सुरक्षा परिषद का आईडी कार्ड प्रदेश अध्यक्ष नियाज़ उद्दीन पठान ने पहनाकर सम्मानित किया। प्रदेश अध्यक्ष नियाज़उद्दीन पठान अपने उद्बोधन में कहा कि मानव अधिकारों की रक्षा करना समाज के प्रति हमारा नैतिक और संवैधानिक कर्तव्य है। न्याय के साथ समाधान की दिशा में आगे बढ़ना ही परिषद का मूल उद्देश्य है। उन्होंने परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों से एकजुट होकर मानवता, समानता और न्याय के मूल्यों को समाज में स्थापित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से बासवा के संस्थापक दीपचंद मालवीय, अशोक मालवीय, तेजकरण गुनावदिया, भागीरथ सिंह मालवीय, संगीता चौहान, अजय परमार, लक्ष्मी नारायण राठौर, धीरज सिंह ठाकुर, फूल सिंह ठाकुर, रामचंद्र सोलंकी, नसरुद्दीन पठान, आयुष जैन, पल्लव जैन, तेजमल जवालय सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने वाले पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

सिरोंज, देशबन्धु। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले स्वामी आनंद स्वरूप के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के मांग को लेकर लिए ओबीसी महासभा समस्त यादव समाज के युवाओं एवं ओबीसी आरक्षण 13 प्रतिशत ओल्ड हटाओ को लेकर ओबीसी महासभा द्वारा एक ज्ञापन तहसीलदार संजय चौरसिया को सौंपा।

ज्ञापन में एफआईआर कर कठोर कार्यवाई करने की मांग की। कार्रवाई न होने पर ओबीसी महासभा जन आंदोलन के लिए बाध्य होगी है। इस दौरान नीलम यादव, सुनील यादव, राकेश कुशवाह, रवि यादव जितेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

सुनेटी गांव में दिल दहला देने वाली घटना, मृतका का पोता भी घायल

जमीन विवाद में बेटों ने कुल्हाड़ी से हमला कर की मां की हत्या

गंजबासौदा, देशबन्धु। जिले के त्योंदा थाना क्षेत्र के सुनेटी गांव में जमीन विवाद को लेकर रविवार रात करीब 11 बजे दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। दो सगे बेटों ने मिलकर अपनी 65 वर्षीय मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर उनकी हत्या कर दी। इस हमले में मृतक महिला का 18 वर्षीय पोता भी घायल हुआ है।

मृतक महिला मन बाई अपने सबसे छोटे बेटे बलवंत कुर्मी के साथ रहती थीं। मन बाई के नाम पर 15 बीघा जमीन दर्ज थी, जिस पर बलवंत खेती करता था। मन बाई के अन्य बेटों को इस जमीन को लेकर आपत्ति थी, जिसके कारण परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। रविवार को भी बलवंत, रामप्रसाद और महाराज सिंह के बीच इसी जमीन को लेकर विवाद हुआ था, जिसे शांत करा दिया गया था।

मृतक महिला छोटे बेटे के साथ निवास पर रहती थी और वहीं खाना पीना होता था, इससे उसके दूसरे बेटे को बात अच्छी नहीं लगती थी, इसी बात को लेकर आए दिन विवाद होता रहता था।

इसी विवाद के चलते रविवार रात मन बाई के दो बेटे महाराज सिंह कुर्मी और रामप्रसाद, उनके चार बेटे और दो अन्य व्यक्ति प्रकाश और रमन सहित कुल आठ लोग बलवंत के घर पहुंचे। आरोपियों ने घर में घुसकर मन बाई पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घायल महिला को त्योंदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां पर महिला को मृतक घोषित कर दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

मन बाई एक कमरे में सो रही थीं, जबकि बलवंत दूसरे कमरे में थे। हमले की आवाज़ सुनकर पास में सो रहे आयुष कुर्मी बलवंत का 18 वर्षीय बेटे ने देखा तो उस पर भी हमला किया गया, जिससे वह घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है, और मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री से कांग्रेस जनों ने की किसानों के लिए मुआवजे व बीमे की मांग

सीहोर, देशबन्धु। जिले में किसानों को मुआवजा व बीमे की राशि न मिलने के कारण कांग्रेस नेता बृजेश पटेल, शैलेंद्र पटेल के नेतृत्व में सोमवार को केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह का अभिनंदन किया गया।

सीहोर जिले को बीमे से वंचित रखने की केन्द्रीय कृषि मंत्री को याद दिलाई गई।

किसानों को न खाद मिल रहा है ना बिजली मिल रही है। इन सब बातों को लेकर केंद्रीय मंत्री को कांग्रेस जनो नें किसानों के साथ मिलकर ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज पटेल, संतोष पटेल, घनश्याम पटेल, जफर लाला, पार्षद आशीष गहलोत, ईश्वर सिंह चौहान, प्रदीप पटेल मामू, अक्षय परमार, नरेंद्र पटेल, दशरथ पटेल, राजेंद्र राजपूत, अर्जुन मेवाड़ा, शुभम त्यागी, धर्म सिंह वर्मा, ईश्वर सिंह चौहान, अमित परमार, रघुनंदन मामू, कैलाश वर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेसजन व किसान उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर टिकिट के लिए यात्रियों को परेशानी

गंजबासौदा, देशबन्धु। सोमवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन की टिकट खिड़की पर यात्रियों की लंबी कतार लगी रही। यात्रियों को टिकट लेने के लिए घंटों लाइन में लगकर इंतजार करना पड़ा, जिसके चलते कई यात्रियों की तो ट्रेन भी छूट गई।

यात्रियों ने बताया कि लंबी लाइन के कारण उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ी। यात्रियों को हो रही इस परेशानी का मुख्य कारण रेलवे स्टेशन प्रबंधन द्वारा इन दिनों केवल एक ही टिकट खिड़की से टिकट दिया जाना है।

जबकि स्टेशन पर एक से अधिक काउंटर मौजूद हैं, वे शोपीस बनकर बंद पड़े हुए हैं, जिसके कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों ने बंद पड़े अन्य काउंटरों को भी खोलने की मांग की है ताकि उन्हें टिकट के लिए लंबी कतारों में न खड़ा होना पड़े।

खाद न मिलने पर तहसील पहुंचकर किया प्रदर्शन

सिरोंज, देशबन्धु। सोमवार को सरकार द्वारा खाद के वितरण के लिए जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के रुप में खाद का वितरण पंजीयन द्वारा करने की व्यवस्था शुरू की गई।

लेकिन पंजीयन और टोकन प्राप्त होने के बाद खाद का वितरण सहकारी समिति पर न होने को लेकर किसानों ने तहसील पहुंचकर कांग्रेस नेता सुरेन्द्र रघुवंशी के साथ प्रदर्शन किया।

जिसमें किसानों ने तहसीलदार संजय चौरसिया को बताया को आनलाईन पंजीयन करने के बाद टोकन प्राप्त कर लिया मगर इकलोद समिति द्वारा खाद के लिए सहकारी विपणन संघ की गोदाम पर भेज दिया गया। इसदौरान बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

आज से प्रारंभ होगा कार्तिक महोत्सव, भागवत कथा सहित होंगे अनेक कार्यक्रम

सिरोंज, देशबन्धु। नगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 7 अक्टूबर से 5 नवंबर तक कार्तिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्री कार्तिक महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस महापर्व में श्रीमद् भागवत कथा, संकीर्तन यात्रा, हरि–हर मिलन उत्सव और तुलसी विवाहोत्सव जैसे प्रमुख धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे।

महोत्सव का शुभारंभ 7 अक्टूबर मंगलवार को प्रातःकाल नगर के प्रमुख घाटों पर कार्तिक स्नान से होगा। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार, दीपदान और सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा। समिति के अनुसार, प्रथम दिवस से ही नगर में भक्तिमय वातावरण निर्मित हो जाएगा।

महोत्सव का मुख्य आकर्षण सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा होगी, जो 23 से 29 अक्टूबर तक सीताराम मंदिर प्रांगण में आयोजित की जाएगी। कथा में श्रीकृष्ण भक्ति और जीवन मूल्यों पर विस्तृत प्रवचन होंगे।

31 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे आंवला नवमी को नगर परिक्रमा रहेगी जो की प्राचीन कार्तिक घाट से प्रारंभ होगी मध्याह्न बटैया की वावड़ी पर होगा एवं अक्षय नवमी की कथा का वाचन होगा तत्पश्चात परिक्रमा पुनः प्रारंभ होकर प्राचीन कार्तिक घाट पर ही परिक्रमा पूर्ण होगी।

4 नवंबर मंगलवार को सायं 5 बजे शीतला माता मंदिर पचकुईयां भगवान महामृत्युंजय महादेव की पालकी विमान यात्रा निकाली जावेगी। महोत्सव का समापन 5 नवंबर गुरुवार को तुलसी–शालिग्राम विवाहोत्सव के साथ होगा। दोपहर 1 बजे से शीतला माता मंदिर परिसर में यह पावन विवाह संपन्न होगा। इस अवसर पर महिलाएं पारंपरिक मंगल गीत गाते हुए विवाह की सभी रस्में निभाएंगी।

सोयाबीन फसल का शीघ्र सर्वे कराने की मांग

भेरूंदा, देशबन्धु। कीट पतंग लगने– एवं लगातार हो रही बारिश के कारण सोयाबीन की फसल बर्बाद हो रही है। किसान संघ की मांग है कि सरकार सोयाबीन एवं मक्का की उपज समर्थन मूल्य पर खरीदे, खेतों में बर्बाद हुई सोयाबीन की फसल का शीघ्र सर्वे करा कर मुआवजा एवं बीमा राशि वितरित की जाए।

गेहूं सरकार 3000 प्रति कुंतल खरीदने की घोषणा का अपना वादा पूरा करें एवि जली विभाग के द्वारा किसानों पर झूठे प्रकरण बनाए गए हैं जो वापस लिए जाएं, समय पर किसानों को खाद बीज उर्वरक प्राप्त हो इसकी व्यवस्था की जाए। कीटनाशक दवा खाद बीज विक्रेताओं के द्वारा अमानक सामग्री बेची जाने पर सख्त कार्यवाही की जाए।

किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर किसान स्वराज संगठन के द्वारा निकाली गई ट्रेक्टर रैली का पूर्ण समर्थन करते हुए कांग्रेस नेता विक्रम शर्मा के नेतृत्व में ट्रेक्टर रैली का स्वागत किया एवं शर्मा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों के हित को लड़ाई लड़ती है।

नगरपालिका निर्वाचन की फोटोयुक्त मतदाता सूची के लिए दिया प्रशिक्षण

सिरोंज, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विदिशा के निर्देशन में स्थानीय निर्वाचन शाखा के अंतर्गत नगरपालिका एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य के लिए द्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तहसील कार्यालय परिसर स्थित बीआरसी भवन में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण का शुभारंभ दोपहर 12 बजे किया गया, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रेशन अधिकारी ने उपस्थित सभी प्राधिकृत कर्मचारियों को निर्वाचन कार्य की पारदर्शिता एवं शुद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्र क्रमांक 1 से 47 तक के कर्मचारियों को 8 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक अपने–अपने मतदान केंद्रों पर बैठकर दावे और आपत्तियां स्वीकार करनी होंगी।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर लालचंद राजपूत, प्राचार्य एल.बी.एस. कॉलेज सिरोंज तथा सी.पी. व्यास, शिक्षक द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2025 की स्थिति में जिन नागरिकों की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो चुकी है, उनके नाम आवश्यक दस्तावेजों सहित नगरपालिका निर्वाचन की फोटोयुक्त मतदाता सूची में सम्मिलित किए जा सकते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची की शुद्धता तथा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया गया।

दिग्विजय सिंह का किया स्वागत

आष्टा, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद दिग्विजय सिंह पूर्व पार्षद सोहेल मिर्जा के निवास पर आयोजित दशहरा मिलन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर सोहेल मिर्जा परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

दिग्विजय सिंह द्वारा उपस्थित सभी कांग्रेस जनों को दशहरे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे हैं अभियान वोट चोर गद्दी छोड़ एवं किसानों के मुआवजा के संबंध में जो हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है, उसमें बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है। दिग्विजय सिंह ने जानकारी देते हुए, बताया कि सीहोर जिले के किसानों को मुआवजा से वंचित रखा है साथ में किसानों का बीमा एवं खराब हुई फसल का सर्वे आज तक नहीं हुआ और न ही किसी प्रकार की मुआवजा राशि किसानों को दी जा रही है, किसान इस वर्ष पूरी तरह बर्बाद हो चुका है।

मुआवजा राशि में केवल मुख्यमंत्री ने सीहोर जिले को छोड़ा है, आखिर सीहोर जिले के किसानों के साथ भेदभाव क्यों। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती, कैलाश परमार, कमल सिंह चौहान, हिफज़ुर रहमान भैया मियां, दशरथ सिंह ठाकुर, हरपाल ठाकुर, कमल सिंह पहलवान, बृजेश पटेल, ओपी वर्मा सोभाल सिंह मुगली, विनीत सिंघी, सुनील सेठी, जीतेन्द्र शोभाखेड़ी, सोभाल सिंह, एच आर परमाल, पूर्व पार्षद इदरीस मंसुरी नाइमुद्दीन सेख दिलीप शर्मा, बी एस वर्मा आदि लोग मौजूद थे।

गरबा महोत्सव में की माता की आराधना

आष्टा, देशबन्धु। नगर में संतोषी मां चार दिवसीय गरबा महोत्सव के दूसरे दिन मां संतोषी अंबे महारानी के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। मां संतोषी माता की आराधना के साथ गरबा प्रारंभ हुआ बरसते हुए पानी में भक्ति भाव के साथ माताएं बहनें मातृशक्ति व छोटी–छोटी कन्या गरबा करती रही। मां पार्वती नगर अलीपुर हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष मनोहर श्रीवास्तव, पल्लव प्रगति, विशेष अतिथि गणों का आयोजक मनोज कुशवाहा, नरेंद्र कुशवाहा पूर्व पार्षद, सुशील कुशवाहा ने पुष्प माला एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया। कुशवाहा समाज अध्यक्ष रवि कुशवाहा, बबनराव माहडिक, पटेल दलकिशोरी कुशवाहा, ताराचंद कुशवाहा,मुकेश कुशवाहा, अमरचंद कुशवाहा पटेल, संजय सुराणा, शुभम कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, प्रतीक माहडिक, प्रकाश कुशवाहा, एवं मातृशक्ति अखिल भारतीय कुशवाहा महिला महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती गीता नरेंद्र कुशवाहा, नवरत्न गजानन महिला मंडल अध्यक्ष अनीता माहडिक, पार्वती बाई कुशवाहा, देवकी बाई कुशवाहा, आशा प्रकाश कुशवाहा, ज्योति दीपक मेवाड़ा, गायत्री कुशवाहा, नीता माहडिक, अश्वनी माहडिक, हेमलता कुशवाहा, पूजा कुशवाहा, सपना कुशवाहा, बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थिति रही।

संकल्प हिंसा के त्यागी प्रत्येक श्रावक को होना चाहिए: मुनिश्री

आष्टा, देशबन्धु। मनुष्य अथवा पशु– पक्षी आदि जनों के अंगों को छेदना, बंधन –रस्सी आदि से बांधना ,पीड़न अर्थात डंडे आदि से पीटना ,पीड़ा देना, अधिक काम लेना अधिक भार लड़ना ,आहार– भोजन पान देते –करते को रोकना ,आहार बचा कर रखना यह स्थूलवध से विरती रूप अहिंसाणुव्रत संबंधी पांच अतिचार है। अहिंसाणुव्रत का स्वरूप मन,वचन ,काय इन तीनों योगों के संकल्प से ,कृत कारित और अनुमोदना से जो त्रस जीवों को नहीं मारता है ,उसे धर्म में निपुण ज्ञानियों ने स्थूल हिंसा से विरमणरूप अहिंसाणुव्रत कहा है।

संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में निकला पथ संचलन

भैरूदा, देशबन्धु। नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भव्य पथ संचलन हुआ। गर्मी और उमस बीच स्वयंसेवकों ने अनुशासित रूप से कदमताल किया।

मुख्य वक्ता प्रांतीय सह व्यवस्था प्रमुख रामवीर कौरव, मुख्य अतिथि रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर लाल शाहजी, जिला संघ चालक रामानंद महेश्वरी, खंड संघ चालक बृजमोहन गौड़ ने पहले शस्त्र पूजन किया एवं संघ के योगदान पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवकों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी राष्ट्रसेवा के प्रति अपनी आस्था और समर्पण का प्रदर्शन किया। शासकीय महाविद्यालय, कृषक संगोष्ठी भवन, गांधी चौक छोटा बाजार, एवं तिवारी कंप्लेक्स से अलग–अलग पथ संचलन निकाला गया जो नगर की छोटी–छोटी गलियों से होता हुआ मुख्य कार्यक्रम स्थल उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुंचा। यहां संघ की प्रार्थना एवं बौद्धिक के बाद पथ संचलन निकाला गया जो नगर के जेपी मार्केट, रॉयल मार्केट, साईं चौराहा ,बंगाली चौराहा, गांधी चौक छोटा बाजार ,किसान मोहल्ला ,भदभदा रोड, इंदौर रोड, सीहोर रोड दुर्गा चौराहा सरवरा कॉलोनी, शास्त्री कॉलोनी, शनि मंदिर मार्ग कृषि उपज मंडी मार्ग, बस स्टैंड, दुर्गा मंदिर चौराहा, जेपी मार्केट होता हुआ उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पहुंचा। पथ संचलन का 50 से अधिक स्थानों पर स्वयं सेवी संगठनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। 10 से अधिक स्थानों पर महिला संगठनों के द्वारा भी पथ संचालन का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। दोपहर में हुई तेज बारिश एवं फिर निकली तेज धूप उमस और गर्मी के बावजूद स्वयंसेवकों के कदम थमे नहीं।

कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान को लेकर हुई बैठक

सीहोर, देशबन्धु। देश व्यापी वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के समर्थन में कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान एवं संगठन के पुनर्निर्माण, बीएलए के गठन एवं स्मार्ट मीटर की अनिमिता, किसानों की समस्या, सीहोर जिले के किसानों को मुआवजा न मिलने के संबध मे जिला कांग्रेस कार्यालय में शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव गुजराती ने की। बैठक को संबोधित करते हुए गुजराती ने कहा कि सृजन संगठन अभियान के तहत चलने वाले देश व्यापी वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के समर्थन में में सभी लोग सहभागिता करें।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से महेश दयाल चौरसिया, नईम नवाब, ओम वर्मा, राजेंद्र वर्मा, राजाराम बड़े भाई, प्रीतम दयाल चौरसिया, रमेश गुप्ता, सुनील दुबे, निशांत वर्मा, विवेक राठौर, आशीष गेहलोत, सुदीप व्यास, ओम बाबा राठौर, अरूण राय, सुरेश बाबु राठौर, नरेन्द्र खंगराले, एस. कुमार राठौर, हर्षदीप राठौर, हरीश आर्य, आसिफ अंसारी, गुलजारी बाजपेई, कमल सूर्यवंशी, कपिल गौर, घनश्याम मीणा, मारुति राव, घनश्याम यादव, मनोज पटेल, हसीन कुरैशी, मजीद अंसारी, नायाब खान, के.के. रिछारिया, तुलसी राजकुमार राठौर, भगत सिंह तोमर, मीरा रैकवार, संतोष मालवीय, साजिद खान, इरफान लाला, शुभम मालवीय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

खेल जगत

चोटिल मोहम्मद सलीम बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम ग्रोइन (एडक्टर) की चोट के कारण अबू धाबी में बंगलादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सलीम पुनर्वास के लिए एसीबी के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में रिपोर्ट करेंगे। सलीम की जगह दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज बिलाल सामी को बंगलादेश के खिलाफ होने वाले एकदिवसीय मैचों के लिए अफगानिस्तान की टीम में शामिल किया गया है। तेईस वर्षीय सलीम ने अब तक दो एकदिवसीय मैच खेले हैं। उन्होंने ये दोनों मैच जुलाई 2023 में बंगलादेश के खिलाफ खेले थे। उन्होंने आखिरी बार अफगानिस्तान के लिए अपना एकमात्र टेस्ट मैच फरवरी 2024 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेला था।

कोलंबो की पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी : हरमनप्रीत कौर

भारत की बेटियों ने पाकिस्तान से अपना लगातार 12 वां अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट मैच जीत फिर अपना डंका बजाया

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (देशबन्धु)। भारत ने वुमैन ऑफ द' मैच नौजवान तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ और ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा द्वारा स्पिन का जाल बुन चटकाए तीन तीन विकेट की बदौलत चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को कोलंबो (श्रीलंका) के प्रेमदासा स्टेडियम में आईसीसी महिला वनडे क्रिकेट विश्व कप के दूसरे मैच में रविवार रात 88 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज कर उसके खिलाफ अपना दबदबा बरकरार रखा। भारत की अब तक हुए महिला वनडे विश्व कप मे पाकिस्तान पर यह लगातार पांचवीं जीत है। भारत की बेटियों ने पाकिस्तान से अपना लगातार 12 वां अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट मैच जीत फिर अपना डंका बजाया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने आईसीसी महिला वनडे क्रिकेट विश्व कप में लगातार अपनी टीम की लगातार दूसरी जीत पर कहा, ' सच कहूं कि कोलंबो की पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। हम ज्यादा से ज्यादा वक्त क्रीज पर बिता कर यह देखना

चाहते थे कि हम इस पर कितने रन बना सकते हैं। हमारी टीम जब मई में कोलंबो में त्रिकोणीय वनडे खेले थे तब पिचें अलग थीं। पिछले दो दिन से हुई बारिश के कारण पिच पर गेंद कुछ रुक कर आ रही थी । हमारे लिए अहम था आखिर तक

■ **हमारी गेंदबाजों, खासतौर पर क्रांति ने वाकई बढ़िया गेंदबाजी की**

विकेट बचाए रखना, जिससे कि हम अपनी योजना को अमली जामा पहना सके। हमारी गेंदबाजों ने वाकई बढ़िया गेंदबाजी की। खासतौर पर तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने वाकई धारदार गेंदबाजी कर पाकिस्तान की बल्लेबाजों को परेशान किया। अनुभवी तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने दूसरे छोर से दबाव बना कर क्रांति को विकेट चटकाने में मदद की। हमने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कई कैच टपकाए पर अंत में जब आप मैच जीतते हैं तो बढ़िया महसूस होता है। निचले क्रम में ऋचा घोष ने 30 रन से ज्यादा की अहम पारी खेली।' भारत को अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका (9 अक्टूबर) और ऑस्ट्रेलिया को विशाखापट्टनम में खेलते हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत चाहती हैं कि भारतीय टीम जीत का लुत्फ उठाए और फिर अपना ध्यान आगे के मैचों पर लगाने के साथ सकारात्मक ढंग से सोचे।

पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच में क्रांति ने रचा इतिहास

कोलंबो। महिला विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर शिकस्त दी। कोलंबो में रविवार को खेले गए मुकाबले में क्रांति गौड़ मैच की 'नायिका' रहीं। उन्होंने 3 विकेट लेने के अलावा बल्ले से 8 रन का योगदान दिया। आर प्रेमदासा स्टेडियम में क्रांति गौड़ ने 10 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 47 डॉट बॉल फेंकी। यह 2020 के बाद से महिला वनडे मैच में किसी भारतीय तेज गेंदबाज की ओर से फेंकी गई सबसे ज्यादा डॉट बॉल रहीं। उनके अलावा, रेणुका सिंह ने 45 डॉट गेंदें डालीं। रेणुका ने इस मैच में 10 ओवर फेंके, जिसमें 29 रन दिए। हालांकि, वह कोई विकेट हासिल नहीं कर सकीं। इन दोनों ही गेंदबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ इस हाई-वोल्टेज मैच में मिलकर 92 डॉट बॉल फेंकी।

आचार संहिता के उल्लंघन पर सिदरा अमीन को लगी फटकार

कोलंबो। पाकिस्तान की बल्लेबाज सिदरा अमीन को रविवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके लिए उन्हें औपचारिक रूप से फटकार लगाई है और उनके नाम एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।अमीन इस मैच में पाकिस्तान के लिए 106 गेंदों में 81 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं थी। अमीन ने आउट होने के बाद अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा था। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो कि अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है।इस लेवल 1 के अपराध में खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं। अमीन ने अंपायरों द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद मैच रेफरी शैंड्रे फ्रिट्ज द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान को इस मैच में भारत से 88 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। उसे टूर्नामेंट में अभी तक जीत हासिल नहीं हुई है, इससे पहले वह बंगलदेश से हार गया था और अब उसका अगला मुकाबला आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा।

अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल

प्रमोद भगत ने भारत को जिताए 3 गोल्ड

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में भारत के शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद भगत ने अपना दबदबा दिखाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में देश को 3 गोल्ड मेडल दिलाए हैं।

प्रमोद भगत ने हमवतन मंटू कुमार को एक खिताबी मुकाबले में 21-7, 9-21, 21-9 से शिकस्त देकर पुरुष एकल एसएल3 का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल में पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लॉस्टौनौल और डायना रोजास गोलाक को सीधे सेटों में 21-13, 21-17 से शिकस्त देकर एक और गोल्ड अपने नाम किया। प्रमोद भगत ने मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। यहां उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर रोमांचक फाइनल मुकाबले में जीत हासिल की।

भारत के लिए तीन गोल्ड जीतने के बाद भगत ने कहा कि हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत का नाम रोशन

तीन गोल्ड जीतने के बाद भगत ने कहा कि हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है : प्रमोद भगत

करना हमेशा खास होता है। मुझे अपने साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। डबल्स में भगत के साथी सुकांत कदम ने भी उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।

कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ और मजबूत होती गई है। यह जीत हमें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए बहुत आत्मविश्वास देती है। भगत और कदम के शानदार प्रदर्शन के अलावा, कई भारतीय शटलर ने विभिन्न श्रेणियों में प्रभावित किया। रणजीत सिंह ने तीन ब्रॉन्ज मेडल जीते। उनके अलावा, नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में सिल्वर जीता, जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में सिल्वर अपने नाम किया।

आरती पाटिल और उमा सरकार की जोड़ी ने महिला युगल एसएल3-एसयू5 में ब्रॉन्ज अपने नाम किया। भारत के शीर्ष पैरा शटलर प्रमोद भगत का यह शानदार प्रदर्शन और भारत के पदकों की संख्या पैरा बैडमिंटन में देश के बढ़ते प्रभुत्व को दर्शाती है, जिससे आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए आत्मविश्वास से भरा एक शानदार माहौल तैयार होता है।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली राज और रवि कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

विशाखापत्तनम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। एसीए-वीडीसीए विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम में दो स्टैंड का नाम भारत की दिग्गज महिला क्रिकेटर 'मिताली राज' और 'रवि कल्पना' के नाम पर रखा जाएगा। इन स्टैंड के उद्घाटन समारोह का आयोजन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला वर्ल्ड कप मैच के साथ किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश के साथ अगस्त 2025 में 'ब्रेकिंग बाउंड्रीज' कार्यक्रम में भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया है। सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि स्मृति मंधाना की अपील पर अमल करते हुए, मंत्री नारा लोकेश ने तुरंत आंध्र क्रिकेट संघ से परामर्श किया, जिसके परिणामस्वरूप विशाखापत्तनम स्टेडियम में महिला क्रिकेट की महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड का नामकरण करके उन्हें सम्मानित करने का फैसला लिया गया है। मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि स्मृति मंधाना के विचारशील सुझाव ने व्यापक जनभावना को छुआ है। इस विचार को तत्काल अमल में लाना लैंगिक समानता और महिला क्रिकेट के अग्रदूतों को सम्मान देने के प्रति हमारे सामूहिक समर्पण को दर्शाता है। आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से

स्मृति मंधाना के विचारशील सुझाव ने व्यापक जनभावना को छुआ है : नारा लोकेश

पहले 12 अक्टूबर को 'मिताली राज स्टैंड' और 'रवि कल्पना स्टैंड' का उद्घाटन करेगा। स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स को सम्मानित करने के साथ खेल में उनके योगदान पर भी प्रकाश डाला जाएगा। इससे देश की बच्चियों को महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्द्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। दूसरी ओर, आंध्र प्रदेश में जन्मीं रवि कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर अपनी चमक बिखेरी। उन्होंने भारत की तरफ से 7 वनडे मैच भी खेले।

श्रीयांशी ने अपना पहला बीडब्ल्युएफ सुपर 100 खिताब जीता

अबू धाबी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीयांशी वलीशेट्टी ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन तस्नीम मीर को हराकर अल ऐन मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब अपने नाम किया। श्रीयांशी वलीशेट्टी ने रविवार को खलीफा बिन जायद स्टेडियम में 49 मिनट तक चले फाइनल में तस्नीम मीर को 15-21, 22-20, 21-7 से हरा कर खिताब जीता। यह श्रीयांशी की 20 वर्षीय पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 खिलाड़ी पर तीन मुकाबलों में पहली जीत और बीडब्ल्यूएफ टूर पर उनका पहला सुपर 100 खिताब है। बाद में, भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने फाइनल में इंडोनेशिया के पाचवीं वरीयता प्राप्त रेमंड इंद्र और निकोलस जोआक्विन को हराकर पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले सेमीफाइनल में, तस्नीम ने तुर्किये की नेस्लिहान एरिन को 9-21, 21-17, 21-10 से तथा श्रीयांशी ने इंडोनेशिया की चियारा मारवेला हांडोयो को 21-11, 21-12 से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी।

1 दिसम्बर से लंका प्रीमियर लीग की शुरुआत, भारतीय खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) का छठा संस्करण 1 से 23 दिसंबर के बीच खेला जाएगा, जिसमें भारतीय खिलाड़ी भी हिस्सा लेने जा रहे हैं। ऐसे में फैंस इस टी20 लीग से जबरदस्त रोमांच की उम्मीद कर रहे हैं। पहली बार लंका प्रीमियर लीग में भारतीय क्रिकेटर हिस्सा लेंगे, जिनके नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। माना जा रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों के जुड़ने से इस लीग की लोकप्रियता में इजाफा होगा। लंका प्रीमियर लीग के इस संस्करण में कुल 24 मैच खेले जाएंगे। इस दौरान 20 लीग मैच और 4 नॉकआउट मुकाबले होंगे। यह सभी मुकाबले कोलंबो के

आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं। इस टूर्नामेंट में पांच फ्रेंचाइजी हिस्सा लेने जा रही हैं। लीग चरण के दौरान सभी फ्रेंचाइजी दो बार आमने-सामने होंगी। राउंड-रॉबिन चरण के बाद, शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। पहला प्लेऑफ मैच यानी क्वालीफायर 1 शीर्ष दो टीमों के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मुकाबले में भिड़ेंगी। एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम से क्वालीफायर 2 में भिड़ेगी। क्वालीफायर 2 जीतने वाली टीम फाइनल में अपना स्थान बनाएगी, जहां उसका सामना क्वालीफायर 1 की विजेता टीम से होगा। लंका प्रीमियर लीग की टूर्नामेंट निदेशक सामंथा डोडनवेला ने कहा कि इस संस्करण का समय सावधानीपूर्वक चुना गया है, ताकि खिलाड़ियों को वैश्विक क्रिकेट वर्ष की शुरुआत में अधिकतम अनुभव और उच्च-गुणवत्ता वाला मैच अभ्यास मिल सके।

लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत आर्कटिक ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में करेंगे भारत का नेतृत्व

■ **श्रीकांत ने मई में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में भी जगह बनाई थी**

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से फिनलैंड के वंता में शुरु हो रहे आर्कटिक ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का नेतृत्व करेंगे।

वंता स्थित एनर्जिया एरिना में आज से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पुरुष एकल ड्रॉ में सेन के साथ श्रीकांत सहित पांच अन्य भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भी शामिल हैं। पेरिस 2024 के

सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पिछले महीने हांगकांग ओपन में 2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के अपने पहले फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन चाइना मास्टर्स में अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और उन्हें साल में नौवीं बार पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी श्रीकांत ने मई में मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में भी जगह बनाई थी। जून में यूएस ओपन जीतने वाले और इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय आयुष शेट्टी भी वंता में खेलेंगे। यह भारतीय युवा खिलाड़ी अपने पहले मुकाबले में पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता कुणालवुत वितिदसर्न से भिड़ेगा। एशियाई खेलों के पुरुष युगल चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुरुआत में प्रवेश सूची में थे, लेकिन अब टूर्नामेंट से हट गए हैं। वहीं महिला एकल में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में उभरते सितारे तान्या हेमंत और अनमोल खरब भारत का नेतृत्व करेंगी।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंडर-17 महिला टीम के मुख्य कोच जोआकिम अलेक्जेंडरसन ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह क्वालीफायर टूर्नामेंट किर्गिस्तान के बिश्केक में 13 से 17 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के ग्रुप जी में शामिल भारतीय टीम का मुकाबला 13 अक्टूबर को मेजबान किर्गिस्तान और 17 अक्टूबर को उज्बेकिस्तान से होगा। दोनों मैच डोलेन मुर्जाकोव स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप विजेता टीमें अगले साल चीन में होने वाले 12 टीमों के फाइनल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी।

अगस्त में भूटान में सैफ अंडर-17 महिला चैंपियनशिप जीतने के बाद भारतीय टीम ने गोवा में स्थानांतरित होने से पहले बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर जारी रखा। वे पहले मैच से छह दिन पहले मंगलवार को बिश्केक पहुचेंगे, ताकि किर्गिजस्तान की राजधानी के अपेक्षाकृत ठंडे मौसम के अनुकूल खुद को ढाल सकें।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 क्वालीफायर के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीम इस प्रकार है।

■ **क्वालीफायर टूर्नामेंट किर्गिस्तान के बिश्केक में 13 से 17 अक्टूबर के बीच आयोजित किया जाएगा**

गोलकीपर : मुन्नी, सूरजमुनि कुमारी, थमीना फातिमा।

डिफेंडर : एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, बिनीता होरो, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेद लाकड़ा, जॉयशिनी चानू हुइड्रोम, रितु बदाइक, तानिया देवी टोनम्बम।

मिडफील्डर : अभिस्ता बसनेट, अनीता डुंगडुंग, बोनिफिलिया शुलाई, जुलान नोंगमाईथेम, प्रीतिका बर्मन, श्वेता रानी, थंडामोनी बास्की।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मैच से पहले ही बिके सभी पब्लिक टिकट

■ **भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 19-25 अक्टूबर के बीच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी**

मेलबर्न, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी-20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न में आयोजित होगा, जिससे पहले ही इस मैच की सभी पब्लिक टिकट बिक चुकी हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया है कि 31 अक्टूबर को होने वाले मैच से

करीब तीन हफ्ते पहले ही, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में दोनों देशों के बीच होने वाले टी20 मुकाबले के लिए पब्लिक टिकटों का आवंटन पूरी तरह से खत्म हो चुका है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, एमसीजी में खेले जाने वाले इस टी20 मैच के लिए एएफएल सदस्य टिकट सोमवार से बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे, जबकि एमसीसी सदस्य टिकट मंगलवार से उपलब्ध होंगे। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 19-25 अक्टूबर के बीच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। इसके बाद कैनबरा, मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में टी20 सीरीज के पांच मैच आयोजित होंगे।

सीए के मुताबिक, मेलबर्न टी20 मैच के लिए टिकटों की जबरदस्त मांग भारत के सीमित ओवरों के दौरे को लेकर बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाती है। दोनों देशों के बीच आठ मैचों के लिए अब तक 1,75,000 से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं। सिडनी और मनुका ओवल मैचों के लिए सार्वजनिक आवंटन पहले ही समाप्त हो चुके हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ पूरी ताकत से उतरेगी इंग्लैंड की महिला टीम

आईसीसी महिला विश्व कप 2025

गुवाहाटी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां) अपने पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 100 रनों के अंतर से मिली जीत उत्साहित इंग्लैंड की टीम मनोवैज्ञानिक बढ़त के साथ आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के आठवें मैच में बांग्लादेश की महिलाओं के खिलाफ बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार को पूरी ताकत के साथ उतरेगी। गुवाहाटी में होने वाला यह मुकाबला रोमांचक होने वाला है क्योंकि दोनों टीमें अपने शुरुआती मुकाबलों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में वर्चस्व की लड़ाई के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड की महिलाओं का पहला मैच संतुलन और नियंत्रण का एक उत्कृष्ट उदाहरण था - टैमी ब्यूमोंट और एमी जोन्स ने आक्रामक लेकिन सोचे-समझे स्ट्रोक प्ले से एक बेहतरीन नींव रखी, जबकि स्पिनरों, सोफी एक्लेस्टोन और लिंसे स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी क्रम को सटीकता से ध्वस्त कर दिया। कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपनी टीम का शानदार नेतृत्व किया और सुनिश्चित किया कि इंग्लैंड का दबदबा कभी संदेह में न रहे। इस मुकाबले में कमजोर दिख रही बंगलादेश की महिला टीम, पाकिस्तान की महिलाओं को 113 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज है। रुबिया हैदर ने नाबाद 54 रनों की पारी खेली, जबकि शोरना अख्तर, मारुफा अख्तर और नाहिदा अख्तर ने मिलकर पाकिस्तान को काबू में रखा और दिखाया कि इस बंगलादेशी टीम को कम नहीं आका जा सकता।

सार संक्षेप

वेस्टइंडीज विश्व कप विजेता टीम के सदस्य जूलियन का निधन

केपटाउन। वेस्टइंडीज की विश्वकप विजेता टीम के सदस्य और पूर्व ऑलराउंडर बर्नार्ड जूलियन का उत्तरी त्रिनिदाद के वाल्सेन शहर में शनिवार को निधन हो गया।

वह 75 वर्ष के थे। वह वेस्टइंडीज की 1975 की विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा थे और उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए 24 टेस्ट और 12 एकदिवसीय मैच खेले। क्रिकेट वेस्टइंडीज के अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बर्नार्ड जूलियन के परिवार, मित्रों और प्रियजनों के प्रति हम अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज इस दुःख की घड़ी में आपके साथ है, और हम आशा करते हैं कि बर्नार्ड को यह एहसास था कि जिस क्रिकेट परिवार को उन्होंने आकार देने में मदद की, वह उन्हें महत्व देता था और प्यार करता था, और उन्हें यह जानकर शांति मिली होगी कि उनका योगदान हमेशा अमर रहेगा। आज से 50 साल पहले, पहले एकदिवसीय विश्व कप में, जूलियन ने ग्रुप चरण में श्रीलंका के खिलाफ 20 रन देकर 4 विकेट लिए थे और इसके बाद सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 27 रन देकर 4 विकेट लिए थे और फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 37 गेंदों पर 26 रन की पारी खेली थी।

जैनिक सिनर शंघाई मास्टर्स 2025 के तीसरे दौर से बाहर

नई दिल्ली। गत चैंपियन जैनिक सिनर शंघाई मास्टर्स 2025 के तीसरे दौर के मैच में नीदरलैंड के टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ गंभीर ऐंठन के कारण चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये।

इटली के स्टार जैनिक सिनर कल शंघाई मास्टर्स 2025 में डचमैन टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ कड़े मुकाबले में गंभीर ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। जिस समय सिनर चोटिल होकर मुकाबले से हटे उस समय ग्रीकस्पूर 6-7 (3), 7-5, 3-2 से आगे चल रहे थे।

शुरुआती सेट बराबरी का था, जहां ग्रीक्सपूर की तेज सर्विस ने इतालवी खिलाड़ी के लिए हर तरह की मुश्किलें खड़ी कर दीं। कोई भी ब्रेक पॉइंट हासिल नहीं कर सका, जिससे पहला सेट टाईब्रेकर में चला गया और सिनर ने बढ़त हासिल कर ली और गर्मी और उमस भरे मौसम में 1-0 की बढ़त बना ली।

द्वितीय फ्रेंड्स कप गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का भव्य शुभारंभ

नई दिल्ली। द्वितीय फ्रेंड्स कप गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का शुभारंभ आज यहां अंबेडकर स्टेडियम में उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। इस प्रतियोगिता का आयोजन फ्रेंड्स यूनाइटेड फुटबॉल क्लब द्वारा किया गया है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर की एनजीओ और वंचित वर्ग की 16 बालिका टीमें भाग ले रही हैं। इस टूर्नामेंट का उद्देश्य खेल के माध्यम से सशक्तिकरण, समानता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। उद्घाटन से पहले दिल्ली सॉकर एसोसिएशन के पदाधिकारियों स्वर्गीय भाटिया जी और स्वर्गीय रईस जी को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट का मौन रखा गया और दिल्ली में फुटबॉल के विकास में उनके अमूल्य योगदान को याद किया गया।

राज्यपाल ने सागर के कड़ता में जन संवाद कार्यक्रम को किया संबोधित, कहा-

महिलाओं को फ्रूट फारेस्ट्री योजना से मिलेगा स्व-रोजगार

जिला प्रशासन के नवाचार उड़ान योजना का किया शुभारंभ

सागर, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सागर जिले में प्रारंभ की गई फ्रूट फॉरेस्ट योजना एक अभिनव योजना है। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को सीधा आर्थिक लाभ होगा। आगामी तीन वर्षों में लगभग 10 लाख पौधों के रोपण से महिलाओं को स्वरोजगार मिलेगा। उनके जीवन में बदलाव आयेगा और वे सशक्त होंगी। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को सागर जिले के रहली विकासखंड के ग्राम पंचायत कड़ता में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जनजातीय वीरों के संग्रहालय का अवलोकन किया और आम का पौधा भी रोपा।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि आज हम गोंडवाना साम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती की कर्मभूमि में हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमें जनजातीय समाज के महानायकों के बलिदान का सदैव स्मरण रखना चाहिए और उनके देश प्रेम समर्पण से प्रेरणा लेना चाहिए। जनसंवाद कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक गोपाल भार्गव ने कहा कि प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्यादान योजना रहली विधानसभा क्षेत्र के कड़ता ग्राम से ही शुरू हुई थी। उन्होंने प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जनता के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलावों की जानकारी दी। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कड़ता के ही जनजाति समुदाय के राजेश गौंड़ के घर पहुंचकर भोजन किया। राज्यपाल को ग्राम की सरपंच श्रीमती वंदना यादव द्वारा आदि कर्मयोगी योजना के अंतर्गत तैयार की गई ग्राम एक्शन प्लान पुस्तिका की प्रति भेंट की गई। राज्यपाल श्री पटेल को कलेक्टर द्वारा आदि कर्मयोगी योजना के संबंध में सागर विकासखंड के 73 ग्रामों की ग्राम एक्शन प्लान की जानकारी दी गई। राज्यपाल श्री पटेल ने जन संवाद कार्यक्रम में केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान किए। उन्होंने आयुष्मान निरामय भारत योजना आदि विभिन्न योजनाओं के हितलाभ सहित टी.बी. मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किए। इस अवसर पर विधायक ब्रजबिहारी पटैरिया, विधायक वीरेन्द्र लोधी, जिला अध्यक्ष श्रीमती रानी कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

उड़ान योजना का किया शुभारंभ

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम में कलेक्टर संदीप जी आर के मार्गदर्शन में तैयार की गई 'उड़ान योजना' का शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल को कलेक्टर ने बताया कि उड़ान कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समय-समय पर विशेष मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। राज्यपाल श्री पटेल ने योजना की सराहना की। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना से अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

भावांतर योजना में करीब 62 हजार किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में प्रारंभ की गई भावांतर योजना के पंजीयन में किसान पूरे उत्साह से सहभागिता कर रहे हैं। अभी तक प्रदेश भर में 61 हजार 970 किसानों ने पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया है। भावांतर योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर प्रशासनिक अमले को दायित्व सौंपा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्नदाताओं की चिंता कर सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5328 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। प्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया है, उसी तरह सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ दिलवाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें और हितग्राही को सीधा लाभ मिलना चाहिए।

17 अक्टूबर तक होंगे पंजीयन

भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। भावांतर की अवधि 24 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होकर 15 जनवरी 2026 तक रहेगी। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से होगी। भावांतर की राशि पंजीयन के समय दर्ज किसान के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

राष्ट्रपति ने एनएसएस के स्वयंसेवक आयुषी सिन्हा एवं सौमित दुबे को किया पुरस्कृत

भोपाल, देशबन्धु। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की स्वयंसेवक सुश्री आयुषी सिन्हा एवं बरकतुल्ला विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र सौमित दुबे को राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने दी बधाई

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत की अस्मिता एवं सामर्थ्य को प्रभावी रूप से विश्वमंच पर परिलक्षित करने का आन्दोलन है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य संवेदनशील एवं समाजसेवा भावी श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करना है। छात्रा आयुषी एवं छात्र सौमित की यह उपलब्धि न केवल प्रदेश के लिए गौरव का विषय है बल्कि यह सभी स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा दोनों विद्यार्थियों को सत्र 2022-23 में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना का सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने 52 उद्यमियों को किया सम्मानित, कहा-

उद्योग जगत के सहयोग से मध्यप्रदेश बनेगा अव्वल राज्य

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश को विकास की दृष्टि से सबसे अव्वल राज्य बनाने में उद्योग जगत की महत्वपूर्ण भूमिका है। राज्य सरकार और प्रदेश के नागरिकों के साथ उद्योग जगत के प्रयास आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सहयोगी होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र का नेतृत्व करते हुए वर्ष 2014 के बाद दृश्य बदल दिया है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने के लिए ऐसी नीतियों का निर्माण किया गया है जो विकास के द्वार खोलती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार की शाम कैप्टन्स ऑफ इंडस्ट्री कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों के 52 उद्यमियों को सम्मानित कर रहे थे। कार्यक्रम में उद्योग, व्यापार, रियल स्टेट और सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले उत्कृष्ट लीडर सम्मानित किए गए। यह कार्यक्रम दैनिक जागरण समूह ने आयोजित किया, जो संस्थान के आयोजन का 13वां संस्करण था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सम्मानित उद्यमियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरे विश्व के समक्ष यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की कार्य दक्षता, सजगता, नवाचार और कदम से कदम मिलाकर चलने की विशेषताओं से भारत की नई पहचान बन रही है। प्रधानमंत्री जी के चिंतन का दायरा व्यापक है। उन्होंने जीएसटी में कमी करने के साथ ही कर व्यवस्थाओं को सरल बनाने का ठोस कार्य किया है। यही कारण है कि आयकर का विवरण देने में उद्यामियों से लेकर आम नागरिकों तक सभी को बेहतर नीतियों का लाभ मिल रहा है। तकनीक का आवश्यक उपयोग भी हो रहा है। उद्यमशील लोगों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग जगत के बिना राष्ट्र के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। प्रारंभ में जागरण समूह के कार्यकारी अध्यक्ष श्री देवेश गुप्त और सीईओ संजय शुक्ल ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव का स्वागत किया। राज्य संपादक सद्गुरु शरण अवस्थी ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर नाद युग गुरूकुल इंदौर के कलाकारों ने नृत्य गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में जनसम्पर्क आयुक्त दीपक सक्सेना भी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार, बाजरा उपार्जन के लिए साढ़े 4 लाख से ज्यादा पंजीयन

भोपाल, देशबन्धु। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए अभी तक 4 लाख 68 हजार 946 किसानों ने पंजीयन कराया है। पंजीयन 10 अक्टूबर तक होगा। पिछले वर्ष 7 लाख 84 हजार 845 किसानों ने पंजीयन कराया था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने किसानों से आग्रह किया है कि समय पर पंजीयन करा लें जिससे उपार्जन में कोई समस्या नहीं हो। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। प्रदेश में 1255 पंजीयन केन्द्र बनाये गये हैं। पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर और एम.पी. किसान एप पर भी की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोट पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

गाजियाबाद के उच्च स्तरीय दल ने देखी इंदौर की स्मार्ट मीटरिंग

भोपाल, देशबन्धु। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर परियोजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय के निर्देश पर सोमवार को नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट गाजियाबाद के उच्च स्तरीय दल ने इंदौर का दौरान कर पश्चिम क्षेत्र में संचालित स्मार्ट मीटरिंग परियोजना का संचालन देखा। दल ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह से भी भेंट की।

एनपीटीआई गाजियाबाद के चार सदस्यी दल के नेतृत्व उप निदेशक महेंद्र कुमार ने किया। दल स्मार्ट मीटर पोलोग्राउंड इंदौर स्थित मास्टर कंट्रोल सेंटर पहुंचा। यहां स्मार्ट मीटर की परियोजना के तहद इंदौर में पहले स्मार्ट मीटर से लेकर वर्तमान स्थिति में तेरह लाख पांच हजार स्मार्ट मीटरों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। विशेष रूप से विद्युत सेवा, विद्युत खपत, अधिकतम खपत इत्यादि के संबंध में डाटा विश्लेषण प्रक्रिया के तौर तरीकों पर अध्ययन किया गया। विद्युत सेवा में स्मार्ट मीटर टीम, बिल जनरेशन टीम, सूचना प्रौद्योगिकी टीम इत्यादि के संयुक्त प्रयासों की जानकारी ली गई। मीटरों का म्यूजियम भी देखा गया। दल को परियोजना निदेशक संजय जैन, अधीक्षण यंत्री श्रीमती कीर्ति सिंह, कंट्रोल सेंटर प्रभारी नवीन गुप्ता ने जानकारी दी। फरीदाबाद के उच्च स्तरीय दल ने भी इंदौर की स्मार्ट मीटरिंग व्यवस्था देखी।

मंत्री सारंग ने की सहकारिता विभाग की समीक्षा

बहुउद्देशीय पैक्स के विस्तार की संभागवार होगी समीक्षा

भोपाल, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के समापन को दृष्टिगत रखते हुए सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सोमवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक आयोजित की। बैठक में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत की गई गतिविधियों और नवाचारों की समीक्षा की गई और समापन कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर प्रदेश में सहकारी समितियों की गतिविधियों और नवाचारों को जनता के सामने प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समापन समारोह में सहकारी समितियों की भूमिका, उनके द्वारा किए गए नवाचार और समाज को लाभ पहुँचाने वाले उपायों को उजागर किया जाना आवश्यक है, ताकि जनता में सहकारिता के महत्व और प्रभाव का व्यापक संचार हो। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में पैक्स के पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी, शादी हॉल, और मैरिज गार्डन सहित विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में सक्रिय होने की संभावना है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होने और सामूहिक सुदृढ़ता में वृद्धि होने की संभावना है।

सिरप मामले से प्रभावितों के परिवारों से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी, कहा-

दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही सरकार

भोपाल, देशबन्धु। सिरप मामले के प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी परासिया पहुंचे। उन्होंने यहां सरकार पर दोषियों को बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार एक डॉक्टर की गिरफ्तारी करके दोषियों को बचाना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में ड्रग कंट्रोल और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के खिलाफ सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। पटवारी ने मुख्यमंत्री से स्वास्थ्य मंत्री को हटाने की मांग की है।

असल दोषियों पर की जाए कार्रवाई

उन्होंने इस बात पर भी हैरानी जताई कि सरकार के मंत्रियों ने कई दिनों तक इस घटना के संबंध में जानकारी नहीं ली। पटवारी ने कहा कि 16 मासूम बच्चों की मौत एक हृदय विदारक घटना है। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी दुख की घड़ी में प्रत्येक शोकाकुल परिवार के साथ खड़ी है। पटवारी ने कहा कि जब तक छिंदवाड़ा के उन नन्हे फरिश्तों को न्याय नहीं मिल जाता, उनकी मासूम ज़िंदगियां सरकारी लापरवाही और दवा माफिया की घिनौनी साज़िश का शिकार हो गईं है, तब तक कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी।

स्मार्ट मीटर : नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल, कहा-

नागरिकों का डेटा, बैंक व अन्य निजी जानकारियां खतरे में

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर जारी विरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। उन्होंने स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी के कर्ताधर्ताओं पर पाकिस्तानी कनेक्शन होने की बात कही है। सिंघार ने इस बात की दावा किया कि स्मार्ट मीटर लगाने वाली अल्फानार कंपनी के कुछ अधिकारियों की तस्वीरें पाकिस्तान के सरकारी प्रतिनिधियों के साथ जुड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने आशंका जताई कि उनके इस संबंध के कारण देश के नागरिकों का डेटा बैंक व अन्य निजी जानकारियां खतरे में पड़ सकती हैं।

सिंघार आज एक पत्रकार वार्ता में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ने का भी जोखिम बनता है। सिंघार ने प्रस्तुत किए गए प्रमाणों में अल्फानार कंपनी के संपर्क अधिकारियों के पाकिस्तानी होने का उल्लेख करते हुए कहा कि इन लोगों का विदेश से संपर्क चिंताजनक है। सिंघार ने सवाल उठाते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने कथित तौर पर कंपनी का पंजीकरण नहीं किया है, फिर भी कुछ क्षेत्रों में उसे ठेका कैसे मिला? उन्होंने कहा कि कुछ अन्य राज्यों में इस कंपनी के संबंध में सावधानी बरतने की चेतावनियां आई हैं और इसी को लेकर प्रदेश सरकार व केन्द्र को सतर्क रहने की आवश्यकता है। सिंघार ने अपने आरोपों को ऊर्जा वितरण, उपभोक्ता गोपनीयता और राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर प्रस्तुत करते हुए सरकार से जवाबदेही की मांग की।

सेवा पर्व के दौरान 137 वनवासी घर हुए रोशन

दो-चार घरों वाले मजरे टोले में भी पहुंची बिजली

भोपाल, देशबन्धु। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) अंतर्गत मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में सेवा पर्व के दौरान मालवा निमाड़ में 137 उन घरों को भी रोशनी उपलब्ध कराई गई, जो घर मूल गांवों से दो से तीन किमी दूर मजरे टोले की बसाहट वाले थे। इन गांवों के वनवासी परिवार अब इस बात से खुश हैं कि घर में बच्चे बल्ब की रोशनी में पढ़ाई कर रहे हैं, मोबाइल भी अपने ही घर पर चार्ज हो रहा है और टीवी भी चलाकर मनोरंजन भी हो रहा है।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सेवा पर्व में अभियान चलाकर दूरदराज के मजरे, टोले में दो चार घर होने पर भी नए ट्रांसफार्मर, तार, पोल स्थापित कर बिजली प्रदान की गई है। इंदौर ग्रामीण वृत्त के अधीन धार जिले के 9 घरों को, देवास के बागली क्षेत्र के पांजापुरा के 4 घरों को, मंदसौर के दूरदराज के 15 घरों को, नीमच के 25, रतलाम ग्रामीण संभाग के 24 घरों को, शाजापुर के 10 घरों को और उज्जैन जिले के दूरस्थ 50 घरों के सेवा पर्व के दौरान रोशन किया गया।

इंदौर ग्रामीण वृत्त अधीक्षण यंत्री डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि चार मजरों के वनवासी लाभार्थियों सर्वश्री कमल बालू, विश्राम मेढ़ा, मिथून अमर सिंह, बाल्लू धानिया, रातेश अमर सिंह, रूप सिंह बिरमन के घर बिजली कार्मिकों द्वारा ट्रेक्टर और बैलगाड़ियों से पोल, तार भेजकर रोशन किये गये।

दीपावली पर मंडला की जनजातीय महिलाएं रच रहीं परंपरा और रंगों का संगम

गौड़ी चित्रकारी से सजा रहीं दीये, कलश और पूजा थालियां

भोपाल, देशबन्धु। जनजातीय बहुल मंडला जिला में इस दीपावली पर परंपरा और कला का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यहाँ की जनजातीय महिलाएं अपनी पारंपरिक गौड़ी चित्रकारी से मिट्टी के दीये, कलश, पूजा थाली, पोस्टकार्ड, की-रिंग, पेपर वेट और अन्य सजावटी वस्तुएं तैयार कर रही हैं, जो त्यौहार की रौनक को और बढ़ा रही हैं।

यह पहल हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय भोपाल तथा जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला पंचायत मंडला के सहयोग से, ग्रामीण विकास एवं महिला उत्थान संस्थान द्वारा संचालित की जा रही है। विकासखण्ड इंद्री सेक्टर में चल रहा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 सितम्बर को शुरू हुआ। प्रशिक्षण 10 अक्टूबर 2025 तक आयोजित है, जिसमें 30 जनजातीय महिलाएं भाग ले रही हैं।

गौड़ चित्रकारी मंडला जिले की सांस्कृतिक पहचान है।

यह कला गौंड जनजाति के जीवन-दर्शन, आस्था और प्रकृति के गहरे जुड़ाव को दर्शाती है। इस परंपरागत कला को नए रूप में सहेजते हुए, जागृति उईके, निकिता उलारी, बरखा उलारी, प्रीति धुर्वे, वंदना तेकाम, सुमन मरावी, रेखा उसराठे, सुरेखा मीना, मर्सकोल ज्योति जैसी स्थानीय महिलाएं अपने हाथों से परंपरा और सृजन का सुंदर मेल प्रस्तुत कर रही हैं। दीपावली को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जा रहे गौड़ी चित्रों से सजे दीये, पूजा थालियां और कलश न केवल कला का उत्कृष्ट उदाहरण हैं बल्कि इन महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक प्रेरक कदम भी हैं। उत्पादों की कीमतें भी निर्धारित की गई है हेण्डमेड पेपर (ए3) 900 रूपये, कैनवास (ए3) 1200 रूपये, की-रिंग 90 रूपये, दीपक 10 रूपये, पेपर वेट 50 रूपये, रूमाल 100 रूपये और पोस्टकार्ड 40 रूपये है। ये सभी वस्तुएं विक्रय के लिए उपलब्ध हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

औषधी नियंत्रक हटाए गए.... संगठनों और केमिस्ट एसोसिएशन के सहयोग से आवश्यक सावधानियां अपनाने और जागरूकता फैलाने के लिए कदम उठाए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति दोबारा न बने इसके लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। डॉ. यादव ने कोल्ड्रिफ सिरप की निर्माता कंपनी पर कार्रवाई के लिए तमिलनाडु सरकार को घटनाक्रम से अवगत कराने के लिए कहा।

बैठक में इस बात की जानकारी भी दी गई कि छिंदवाड़ा से गंभीर प्रकरणों की जानकारी प्राप्त होते ही राज्य स्तर से चिकित्सकों का दल छिंदवाड़ा भेजा गया। इस मामले में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन का भी जांच में सहयोग लिया गया। 8 मरीजों की जांच के लिए उनके नमूने पुणे स्थित प्रयोगशाला भेजे गए। साथ ही छिंदवाड़ा से विभिन्न दवाओं के नमूने लेकर उनकी जांच कराई गई। छिंदवाड़ा और परासिया के निजी चिकित्सकों, अस्पतालों और केमिस्ट के साथ बैठक कर स्थिति का आंकलन किया गया और उन्हें आवश्यक सावधानियां बरतने के संबंध में सलाह दी गई। वहीं दवा विक्रेताओं के निरीक्षण की प्रक्रिया भी शुरू की गई। डॉ. यादव ने बताा कि छिंदवाड़ा जिले में प्रभावित मरीजों को चिन्हित करने के लिए सर्वे आरंभ किया गया।

यह सिर्फ आपकी नहीं, हम.... कर उनके दु:ख में शामिल हुए । न्यूटन में खान परिवार की पीड़ित माता आफरीन, जिन्होंने अपना 5 वर्ष का बेटा खोया है, मुख्यमंत्री को अपने समक्ष देखकर रो पड़ी। उन्होंने कहा कि हम अपने बच्चे को तो नहीं बचा पाए, लेकिन अभी जो बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं, यदि वे बच जाएंगे, तो हमारे दिल को बड़ी दिलासा मिलेगी। उन्होंने घटना के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति या संस्था इस हादसे के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें कठोरतम दंड दिलाया जाएगा। आज ही दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की गई है। डॉ. यादव ने कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच की जा रही है और हम दोषियों को बख्शेंगे नहीं। साथ ही भर्ती बच्चों का इलाज ठीक तरीके से हो, इसके लिए प्रशासनिक टीम भी तैनात कर दी गई है। उन्होंने कहा कि छिंदवाड़ा में हुई घटना में कार्रवाई करते हुए हमने तमिलनाडु की संबंधित फैक्ट्री की दवाइयों पर प्रतिबंध लगाया है।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान पथराव.... तबादले की मांग की। जहां ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने जनता से शांति की अपील की है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के मुफ्त इलाज के निर्देश भी दिए। वहीं विपक्ष ने इसे बड़ी प्रशासनिक चूक बताते हुए राज्य सरकार की आलोचना की है। विपक्ष का आरोप था कि पुलिस हिंसा को रोकने में असहाय नजर आई। विपक्षी नेताओं ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की निंदा की।

रायबरेली में दलित की हत्या.... हरिओम के पिता ने भी आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग की और बुलडोजर चलाने की भी मांग की। उन्होंने कहा, मेरे बेटे की हत्या कर दी गई। हमें 2 अक्टूबर को इसकी सूचना मिली। हम मांग करते हैं कि हत्यारों को मौत की सजा दी जाए और उनके घरों को बुलडोजर से गिरा दिया जाए।

इस घटना पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई है और विपक्षी दलों ने भाजपा के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार पर दलितों और हाशिए पर पड़े समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पीड़ित परिवार से सोमवार को मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। हम पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएंगे। उन्होंने मांग की है कि परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए और साथ में एक करोड़ रुपए भी दिए जाएं। हालांकि, सरकार ने आश्वासन दिया है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।